M/s. SHANTA SERVICE STATION
Bharat Petroleum
Quality & Quantity
Powai Chowk, Behind Shreeram Cinema, Ulhasnagar-4.
Tel.: 0251-2584077
Pure for Sure

सिर्फ 2 रू.
ठाणे जिले का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

दैनिक धनुषधारी

संस्थापक प्रधान संपादक स्व. श्री दिलीप जे. लालवानी
वर्ष-32, अंक 47, उल्हासनगर, मंगलवार 21 जनवरी, 2025 (पृष्ठ 6)
Mob. No. 9325937797
E-mail Add.:- newsddd@gmail.com dailydhanushdhari@yahoo.com
Post Regd No.THC/111/2024-2026
RNI No. 68359/93,
dhanushdharinews | Dhanushdhari | DhanushdhariN | Website - www.dailydhanushdhari.com

होली पर नौकरीपेशा लोगों को नहीं मिल रही रेल टिकट

मुंबई (नि.स.) । होली के त्यौहार के दौरान मुंबई-ठाणे से बड़ी संख्या में लोग कोंकण जाते हैं। इस वर्ष होली 13 मार्च को है। कोंकण जाने वाली सभी नियमित ट्रेनें 13 और 14 मार्च तक फुल हो चुकी हैं। इसमें कोंकणकन्या, जनशताब्दी, मांडवी तथा तुतारी एक्सप्रेस शामिल हैं। इसके अलावा 12 मार्च के लिए निजी बसों की टिकटों की कीमतें आसमान छू रही हैं। इसलिए नौकरीपेशा लोगों की मांग है कि रेलवे होली के त्यौहार के अवसर पर कोंकण के लिए जल्द से जल्द अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन की घोषणा करे और एसटी कॉर्पोरेशन भी अतिरिक्त बसें चलाने की योजना बनाए।

मालूम हो कि होली का त्यौहार बड़े पैमाने पर मनाया जाता है। इस वर्ष होली का त्यौहार 13 मार्च से शुरू हो रहा है। हर साल, होली के त्यौहार के लिए मुंबई से लाखों नौकरीपेशा लोग कोंकण में अपने-अपने गांव जाते हैं। इसलिए इस त्यौहार के दौरान यात्रियों की संख्या काफी बढ़ जाती है। यात्री किफायती और तीव्र यात्रा के लिए रेलगाड़ियों को प्राथमिकता देते हैं। रेलवे टिकट दो महीने पहले आरक्षित किये जा सकते हैं। इसलिए, रेल से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या अधिक है। इस वर्ष होली का त्यौहार गुरुवार को है। इसलिए नौकरीपेशा लोगों ने पहले से ही अपनी रेल टिकटें आरक्षित करा ली हैं। जिन यात्रियों को ट्रेन टिकट नहीं मिला है, उन्हें असुविधा से बचाने के लिए एसटी कॉर्पोरेशन द्वारा विशेष बसें और रेलवे द्वारा विशेष ट्रेनें चलाई जाती हैं। लेकिन रेलवे और एसटी प्रशासन ने अभी तक विशेष ट्रेनों तथा बसों के संबंध में कोई घोषणा नहीं की है। इसलिए नौकरीपेशा लोगों की मांग है कि रेलवे प्रशासन और एसटी कॉर्पोरेशन जल्द से जल्द अतिरिक्त ट्रेनों तथा बसों की घोषणा करें।

महिला के साथ लाखों रुपए की धोखाधड़ी

उल्हासनगर (नि.स.) । एक 54 साल की महिला ने 45 साल के शख्स के खिलाफ उनके साथ लाखों रूपये की धोखाधड़ी करने की शिकायत विट्ठलवाड़ी पुलिस थाना में दर्ज करवाई है। मिली जानकारी के अनुसार उल्हासनगर के कैंप चार, सुभाष टेकड़ी, कानसाई रोड परिसर में रहने वाली 54 साल की अंजना धर्मा रोकड़े ने कैंप पांच, कुर्ला कैंप स्थित गुजराती पाड़ा में रहने वाले अजय कृष्णा ब्राह्मणे (45) के खिलाफ पुलिस से शिकायत की है। अपनी शिकायत में उन्होंने पुलिस को बताया कि उनके बैंक अकाउंट में जमीन के मद में एसडीओ कार्यालय, भिवंडी से जमा हुए 9 लाख 43 हजार 290 रूपये में से 3 लाख 43 हजार रुपया 5 सितंबर 2024 को अजय कृष्णा ब्राह्मणे ने उल्हासनगर स्थित बैंक ऑफ इंडिया में अपने खाते में ट्रांसफर कर उनके साथ धोखाधड़ी की। बहरहाल मामले की जाँच पुलिस हवलदार पाटिल कर रहे हैं।

Staff Required
(SINDHI MALE)
Qualification-B.COM PASSED
FOR ACCOUNTS
& FOR SALESMAN
Qualification- 10TH PASSED
CONTACT : MR. RAJESH
MOB.NO. 9307579475

बिना वजह युवक ने की मारपीट

उल्हासनगर (नि.स.) । जब एक शख्स अपने मित्र के साथ बातचीत कर रहे थे तब युवक ने बिना वजह उन्हें पीट कर घायल कर दिया और मित्र को धमकाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार उल्हासनगर के कैंप एक, झूलेलाल मंदिर के पास रहने वाले नंदलाल हरूमल रोहड़ा (52) ने कैंप एक, बेवस चौक परिसर में रहने वाले मनीष राजा माखीजा (24) के खिलाफ मारपीट की शिकायत उल्हासनगर पुलिस थाने में दर्ज करवायी है।

अपनी शिकायत में उन्होंने पुलिस को बताया कि 18 जनवरी की रात साढ़े दस बजे वे अपने मित्र भगवान दास सोनेजा के साथ कैंप दो, खेमानी परिसर में उनकी दुकान के सामने बातचीत कर रहे थे। तभी वहां मनीष आया और मुझे कहा कि तुम लोग क्यों मेरे बारे में गलत बात कर रहे हो, यह कहते हुए उसने गाली गलोच किया और उन्हें बेरहमी से पीटकर घायल कर दिया। इस दौरान जब भगवान दास बीच बचाव करने लगे तब उसने उन्हें धमकाते हुए कहा कि तुम मेरे बीच में आओगे तो मैं तुम्हें छोड़ूंगा नहीं। बहरहाल मामले की जाँच पुलिस उपनिरीक्षक प्रवीण उघड़े कर रहे हैं।

नवनियुक्त आयुक्त मनीषा आव्हाले ने किया

उल्हासनगर में चल रहे 7 मुख्य सड़कों के निर्माण व विकास कार्यों का निरिक्षण

उल्हासनगर (नि.स.) । उल्हासनगर महानगरपालिका की नवनियुक्त प्रशासक एवं आयुक्त मनीषा आव्हाले ने सोमवार 20 जनवरी को एमएमएमआरडीए द्वारा शुरू शहर की 7 मुख्य सड़कें, गोल मैदान में प्रस्तावित खेल परिसर और वीटीसी ग्राउंड में बनने वाले बाला साहेब ठाकरे मेमोरियल खेल परिसर का निरीक्षण किया। स्थल के निरीक्षण के दौरान, अतिरिक्त आयुक्त किशोर गवस, शहर अभियंता तरुण सेवकानी, जलापूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता परमेश्वर बुडगे, जूनियर इंजीनियर हर्षद प्रधान, जनसंपर्क अधिकारी छाया डांगले सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

विकास कार्यों का निरीक्षण करते समय, प्रशासक एवं आयुक्त ने निर्देश दिए कि उल्हासनगर के कैंप 1, गोल मैदान में प्रस्तावित कार्य की परियोजना, मानचित्र और पूर्ण कार्ययोजना नियुक्त सलाहकार द्वारा जल्द प्रस्तुत किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने एमएमआरडीए द्वारा निर्माणाधीन 7 सड़कों का कार्य तीव्र गति से कराया जाए तथा संपूर्ण सड़क का व्यवस्थित रूप से बैरिकेटिंग किया जाए, कार्य स्थल पर कार्य का नाम, संबंधित विभाग, कार्य की अनुमानित लागत, ठेकेदार का नाम, संपर्क सूत्र का नाम भी अंकित किया जाए ऐसे निर्देश दिए। उन्होंने इस विषय में जल्द एमएमआरडीए के संबंधित ठेकेदार के साथ मनपा मुख्यालय में एक संयुक्त बैठक आयोजित करने के आदेश संबंधित अधिकारी को दिए। आयुक्त ने संबंधित प्रभाग अधिकारी व यातायात निरीक्षक को निर्माणाधीन 7 सड़कों पर अवैध रूप से पार्क किये गये वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। आयुक्त मनीषा आव्हाले ने कहा कि शहर अभियंता एवं उनके अधीनस्थ अधिकारी एवं कर्मचारी उन 7 सड़कों के दैनिक कार्य का निरीक्षण करेंगे तथा तदनुसार रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। उन्होंने उल्हासनगर के कैंप 4 वीटीसी ग्राउंड पर बंद पड़े (स्थगित) बालासाहेब ठाकरे स्मारक खेल परिसर परियोजना के काम के संबध में संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

एमएमआरडीए द्वारा बनाई जा रही इन 7 मुख्य सड़कों का आयुक्त ने किया निरिक्षण

1) उल्हासनगर के कैंप 4 में नेताजी चौक से कुर्ला कैंप होते हुए कैलाश कॉलोनी तक.
2) उल्हासनगर के कैंप 5 में न्यू इंग्लिश हाई स्कूल से लालचक्की, पेट्रोल पंप और हिल लाइन पुलिस स्टेशन तक.
3) उल्हासनगर के कैंप 1 में ए ब्लॉक से साईबाबा मंदिर, डॉल्फिन क्लब और सेंचुरी ग्राउंड तक.
4) उल्हासनगर के कैंप 4 में सोनार चौक से कोयांडे, शारदा कैसल तक.
5) उल्हासनगर के कैंप 3 में हीरा घाट मंदिर से डर्बी होटल, समर्पण अपार्टमेंट तक.
6) उल्हासनगर के कैंप 3 में श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौक से शांतिनगर, विट्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन तक.
7) उल्हासनगर के कैंप 4 में वाल्को कम्पाउंड से वीनस चौक वीटीसी ग्राउंड तक.

शादी का झांसा देकर 30 महिलाओं से धोखेबाजी, दो जालसाज गिरफ्तार

ठाणे (नि.स.) । शादी का झांसा देकर 30 महिलाओं को धोखा देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दरअसल शादी के लिए लड़का-लड़की ढूंढने हेतु कुछ मेट्रीमोनियल साइटें हैं। इस साइट पर इच्छुकों द्वारा पहले पंजीकरण करवाया जाता है। ऐसी ही एक साइट जीवन साथी डॉट कॉम पर फर्जी आईडी बनाकर महिलाओं को ऑनलाइन ठगा गया। इस मामले में मुंब्रा पुलिस ने उन दो लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने शादी का झांसा देकर महिलाओं से करीब एक करोड़ रुपये की ठगी की। मुंब्रा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए उन दोनों के नाम जैद खान और एजाज अहमद उर्फ फहाद हैं। इन दोनों ने जीवनसाथी डॉट कॉम नामक वेबसाइट पर फर्जी आईडी बनाकर महिलाओं से संपर्क किया।

जाँच में यह बात सामने आई है कि शादी का झांसा देकर करीब 30 महिलाओं से एक करोड़ रुपये से अधिक की ठगी इन लोगों द्वारा की गई। जैद मूल रूप से भोपाल का रहने वाला है और उसकी वहां सैलून की दुकान है। जबकि दूसरा व्यक्ति फहद उत्तर प्रदेश का एक फिल्म प्रोड्यूसर है और उसका अपना कॉल सेंटर है। कॉल सेंटर की मदद से उन दोनों ने जरूरतमंद महिलाओं को शादी का लालच दिया। उनसे चैटिंग और वीडियो कॉल के जरिए संपर्क किया। उसके बाद भेजे गए उपहार कस्टम्स में फंस गए हैं, दुर्घटना हो गया है जैसे विभिन्न कारण बताकर महिलाओं से लाखों रुपए ठगा लिए। इस मामले में मुंब्रा की एक महिला से भी इसी तरह 13 लाख 54 हजार रुपए की ठगी की गई। धोखाधड़ी का अहसास होने पर महिला मुंब्रा पुलिस स्टेशन पहुंची और ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया। आरोपियों को पकड़ने के लिए मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल शिंदे ने सहायक पुलिस निरीक्षक प्रवीण सरवड़े और पुलिस उपनिरीक्षक विजय सानप की दो टीमें तैनात कीं। इन टीमों ने तकनीकी साधनों और ऑनलाइन जानकारी का उपयोग करके बिना किसी सबूत के दोनों जालसाजों को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान पुलिस ने उत्तर प्रदेश में फहाद के कॉल सेंटर को ध्वस्त कर वहां से 9 लैपटॉप, राउटर, मोबाइल सिम कार्ड और अन्य सामग्री जब्त की है। साथ ही, शिकायतकर्ता महिला से ऑनलाइन ठगे गए 13 लाख 54 हजार रुपए भी बरामद किया है।

अब एक ही टिकट पर लोकल, बस और मेट्रो से कर सकेंगे सफर

मुंबई (नि.स.) । मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में परिवहन के लिए बस, ट्रेन और मेट्रो सहित कई विकल्प हैं। बस से यात्रा करने के लिए आपको बस टिकट खरीदना होगा। ट्रेन के लिए आपको ट्रेन टिकट और मेट्रो के लिए मेट्रो टिकट खरीदना होगा। लेकिन अब आप एक ही टिकट पर एक ही समय में मुंबई में कहीं भी यात्रा कर सकेंगे। जी हाँ, राज्य सरकार मुंबईवासियों को इस तरह यात्रा करने में सक्षम बनाने के लिए प्रयास कर रही है। इस संबंध में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में एक बैठक हुई।

मुंबई में 'टिकटिंग सेवाओं के एकीकरण' के संबंध में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की उपस्थिति में सह्याद्री गेस्ट हाउस में ये बैठक बुलाई गई थी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री फडणवीस ने शहरी परिवहन को समर्पित एकल प्लेटफॉर्म ऐप के विकास की समीक्षा की। इस एक ऐप पर बेस्ट बसें, लोकल ट्रेनें, मेट्रो और मोनोरेल एक ही स्थान पर उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा, 'मुंबई निवासी इस एकल ऐप का उपयोग करके अपनी यात्रा की योजना बना सकेंगे।' इस ऐप के जरिए नागरिकों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से नजदीकी सार्वजनिक परिवहन प्रणालियों (बस, ट्रेन, मेट्रो) के बारे में जानकारी मिलेगी। इससे परिवहन आसान होगा और यात्रियों का समय बचेगा।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ाकर इस प्रणाली को टैक्सियों और अन्य सेवाओं के साथ एकीकृत करने के प्रयास चल रहे हैं। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि यह 'टिकटिंग सेवाओं का एकीकरण ऐप' जल्द ही जनता के लिए उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को एकल गतिशीलता मंच पर लाना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है। बैठक में बोलते हुए केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'फिलहाल मुंबई में 3,000 लोकल ट्रेनें चल रही हैं। आगामी समय में 300 और लोकल ट्रेनें शुरू करने के लिए 17,107 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। राज्य में रेलवे परियोजनाओं में 1.70 लाख करोड़ रुपये का निवेश हुआ है।

पुलिस वैन से भागने वाले आरोपी को विट्ठलवाड़ी पुलिस ने किया गिरफ्तार

उल्हासनगर (नि.स.) । उल्हासनगर के चोपड़ा कोर्ट से कल्याण के आधारवाड़ी जेल ले जाते समय एक आरोपी पुलिस वैन से कूदकर फरार हो गया था। फरार आरोपी संजू वाघरी की तलाश में पूरी पुलिस फोर्स ने पूरी रात तलाशी अभियान चलाया था। अंततः विट्ठलवाड़ी पुलिस की अपराध जांच टीम ने आरोपी को फिल्मी स्टाइल में आधी रात को उल्हासनगर के भीम कॉलोनी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। विट्ठलवाड़ी पुलिस टीम की इस तत्परता की सराहना हो रही है।

बता दें कि शनिवार शाम को उल्हासनगर के चोपड़ा कोर्ट में सुनवाई के लिए लाए गए आरोपी संजू किसन वाघरी (20, निवासी उल्हासनगर) को जब वापस कल्याण के आधारवाड़ी जेल ले जाया जा रहा था, तो वह पुलिस वैन से कूदकर भाग निकला। कल्याण के खड़कपाड़ा इलाके के विक्कीनगर में एक स्पीड ब्रेकर के पास जैसे ही वैन धीमी हुई, वो मौका पाकर वैन से भाग निकला। संजू वाघरी को विट्ठलवाड़ी पुलिस ने मार्च 2024 में चोरी के एक मामले में गिरफ्तार किया था। तब से वह आधारवाड़ी जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। उसके फरार होने से पुलिस प्रशासन पर दबाव बन गया था। अंततः परिमंडल चार के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे और सहायक पुलिस आयुक्त अमोल कोली के मार्गदर्शन में तलाशी अभियान चलाया गया। इसके लिए विशेष टीमें नियुक्त की गईं।

तदनुसार, विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अनिल पडवल ने भी अपनी टीम को क्षेत्र में सीसीटीवी फुटेज और जांच के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए थे। इस बीच, आधी रात को गश्त के दौरान विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की टीम को सूचना मिली कि आरोपी ने भीम कॉलोनी इलाके में एक सुरक्षा गार्ड को धमकाया है और उसका मोबाइल फोन छीन लिया है। जिसके बाद विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की अपराध जांच टीम के रामदास मिसाल, दिलीप चव्हाण, गणेश राठौड़, गणेश डमाले और चंद्रकांत गायकवाड़ ने फिल्मी स्टाइल में आरोपी का पीछा किया और आखिरकार उसे गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार आरोपी को रविवार सुबह खड़कपाड़ा पुलिस थाने को सौंप दिया गया।

अंबरनाथ के पूर्व नगराध्यक्ष विजय पवार का निधन

अंबरनाथ (नि.स.) । अंबरनाथ के पूर्व नगराध्यक्ष विजय पवार का रविवार 19 जनवरी को रात साढ़े दस बजे हृदय गति रुकने से दुखद निधन हो गया। सोमवार को पवार का अंतिम संस्कार अंबरनाथ पश्चिम स्थित हिंदू श्मशान घाट पर किया गया। इस दौरान शिवसेना शहर प्रमुख अरविंद वालेकर, पूर्व नगराध्यक्षा मनीषा वालेकर, पूर्व नगराध्यक्ष व भाजपा के प्रदेश महासचिव गुलाबराव करंजुले पाटिल, ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व नगरसेवक प्रदीप पाटिल, राकांपा शरद पवार गुट के अंबरनाथ शहर अध्यक्ष सदामामा पाटिल, मनसे के शहर अध्यक्ष कुणाल भोईर आदि उपस्थित थे। साथ ही बड़ी संख्या में क्षेत्र के गणमान्य लोग, विभिन्न दलों के पूर्व नगरसेवक, पदाधिकारी, नगर परिषद के अधिकारी व कर्मचारी तथा अंबरनाथकर अंतिम संस्कार में शामिल हुए। राजनीति, सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, धार्मिक, शैक्षणिक, कला, खेल आदि सभी क्षेत्रों में आलराउंडर रहे स्वर्गीय विजय पवार को सभी दलों और अंबरनाथकरों ने हिंदू श्मशान घाट पर अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

मालूम हो कि अंबरनाथ नगर पालिका 1992 में स्वतंत्र हो गयी. 1995 के बाद, लोक प्रतिनिधि सरकार शुरू हुई। इस शासन के दौरान अंबरनाथ के पहले शिवसैनिक और बाद में अंबरनाथ नगरपालिका के नगराध्यक्ष विजय उर्फ तात्या पवार ने कई क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने कई वर्षों तक अंबरनाथ में शिवसेना के प्रवक्ता के रूप में कार्य किया, अंत तक उत्कृष्ट भाषा कौशल और काव्यात्मक मन के साथ कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी संभाली। अपनी वृद्धावस्था में भी वे शिवसेना के केंद्रीय कार्यालय में बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान करते थे। शिवसेना अंबरनाथ शहर शाखा ने आज मंगलवार को शाम 6 बजे अंबरनाथ पूर्व स्टेशन क्षेत्र के पनवेलकर हॉल में सर्वदलीय भावपूर्ण शोक सभा का आयोजन किया है। इसके अलावा, मंगलवार, 28 जनवरी की सुबह, अंबरनाथ के प्राचीन शिव मंदिर में दशक्रिया अनुष्ठान आयोजित किया जाएगा।

महावितरण के कर्मचारी की कर दी पिटाई

उल्हासनगर (नि.स.) । उल्हासनगर में महावितरण के एक कर्मचारी की पिटाई का मामला सामने आया है। बीच सड़क पर हुई इस मारपीट की घटना मोबाइल फोन में किसी ने कैद किया है। इस संबंध में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार रोशन रहेजा कैंप-4, श्रीराम चौक परिसर स्थित वसीटा कॉलोनी में रहते हैं। पिछले दो महीनों का 18,000 रुपया बिजली बिल बकाया होने के कारण जब इल्मुद्दीन महबूब शेख बिजली बिल वसूलने गए तो रोशन रहेजा और महावितरण कर्मचारी शेख के बीच कहासुनी हुई और रोशन ने बीच सड़क पर कर्मचारी शेख की पिटाई की दी। मारपीट की यह घटना मोबाइल फोन में कैद कर लिया गया। अब इस संबंध में विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आगे की जांच कर रही है।

स्कूटी सवार महिला को कार ने मारी टक्कर

अंबरनाथ (नि.स.) । अंबरनाथ में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। खबर है एक कार चालक ने महिला डॉक्टर को टक्कर मार दी। इस घटना में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। मिली जानकारी के अनुसार रविवार दोपहर पौने चार बजे डॉ. रेशमा सिद्धार्थ वर्मा स्कूटी से अपने घर जा रही थी। कल्याण-बदलापुर रोड पर चिखलोली इलाके में बदलापुर की ओर जा रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। इस हादसे में डॉ. वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गई। उधर घटना के बाद कार चालक फरार हो गया। अंबरनाथ पुलिस थाना में अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश कर रही है। वहीं घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है।

संपादकीय

भगदड़ हादसा और धार्मिक आयोजनों में भीड़ नियंत्रण की लापरवाही

किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि ऐसे उपाय किए जाएं, ताकि दोबारा उसी तरह के हालात पैदा न हों। मगर धार्मिक स्थलों पर या ऐसे आयोजनों में जमा होने वाली भीड़ और उसके प्रबंधन को लेकर अक्सर इस हद तक लापरवाही बरती जाती है कि बार-बार भगदड़ की वजह से लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। गौरतलब है कि तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर परिसर में बुधवार को मची भगदड़ ने पुराने जख्मों को कुरेद दिया है। यह आमतौर पर देखा गया है कि किसी खास आयोजन की तैयारी तो कर ली जाती है, लेकिन भीड़ नियंत्रण और प्रबंधन के उपाय पहले से नहीं किए जाते। तिरुपति में भी ऐसा ही हुआ। वहां टोकन लेने के लिए श्रद्धालु उमड़ पड़े और देखते ही देखते अफरा-तफरी मच गई। उसके बाद मची भगदड़ में छह लोगों की जान जाने की खबर आई। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए कारगर तैयारी की गई होती, तो इस हादसे से बचा जा सकता था। सवाल है कि इस हद तक बरती गई लापरवाही की वजह से जो हुआ, उसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा। यह विचित्र है कि धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ मचने की स्थिति में उसमें फंसे श्रद्धालुओं को शीघ्रता से बाहर निकालने के लिए वैकल्पिक मार्ग का प्रबंध नहीं किया जाता। जबकि विशिष्ट अतिथियों को किसी भी प्रतिकूल स्थिति से बचाने के लिए उनके आने और जाने का अलग इंतजाम होता है। पिछले कुछ समय से इस तरह के आयोजनों में भीड़ के बेकाबू हो जाने की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं। कई राज्यों में हुए ऐसे कई हादसों में अब तक सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। मगर ऐसी घटनाओं को रोकने को लेकर न तो कभी गंभीरता से विचार होता है, न कभी कोई ऐसी कार्रवाई होती है, जो आगे के आयोजनों के लिए सबक सिद्ध हो। ज्यादातर जांच रपटों में इसकी वजह भीड़ बताई जाती है, जबकि कुप्रबंधन का तथ्य आमतौर पर छिपा लिया जाता है। शायद ही कभी ऐसी भगदड़ और उसमें लोगों की मौत के लिए आयोजकों की जवाबदेही तय की जाती है और प्रशासनिक लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया जाता है। नतीजतन, ऐसे हादसे लगातार सामने आ रहे हैं।

संपादक, टीकम लालवानी

दिल्ली के चुनाव 'आप' के लिये परीक्षा की घड़ी

देश का दिल कहे जाने वाली राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव-2025 का बिगुल बज चुका है, कड़कड़ाती सर्दी में भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच राजनीतिक दंगल के आगाज के साथ राजनीतिक पारा भी चढ़ने लगा है। उम्मीद की जा रही है कि ठण्ड का पारा गिरने-चढ़ने का रिकॉर्ड बनाने वाली दिल्ली इस बार मतदान का नया रिकॉर्ड बनाने के साथ राजनीति उठापटक का भी नया इतिहास बनायेगी। दिल्ली में चुनावों के ऐलान के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। एक दूसरे की कलई खोलने की कोशिशें हो रही हैं। 'आप' दिल्ली में हैट्रिक लगाने की तैयारी में है, तो भाजपा सत्ता विरोधी लहर, शीश महल, भ्रष्टाचार के आरोप को आधार बनाकर उसे रोकना चाहती है।

(ललित गर्ग)

दिल्ली में जीत के नये कीर्तिमान गढ़ने वाली नई नवेली 'आप' ने साल 2013 में अपने पहले चुनाव में 70 में से 28 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन 'आप' ने कांग्रेस से मिलकर सरकार बनाई।

देश का दिल कहे जाने वाली राजधानी दिल्ली में विधानसभा चुनाव-2025 का बिगुल बज चुका है, कड़कड़ाती सर्दी में भारतीय जनता पार्टी, आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस के बीच राजनीतिक दंगल के आगाज के साथ राजनीतिक पारा भी चढ़ने लगा है। उम्मीद की जा रही है कि ठण्ड का पारा गिरने-चढ़ने का रिकॉर्ड बनाने वाली दिल्ली इस बार मतदान का नया रिकॉर्ड बनाने के साथ राजनीति उठापटक का भी नया इतिहास बनायेगी। दिल्ली में चुनावों के ऐलान के साथ ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो चुका है। एक दूसरे की कलई खोलने की कोशिशें हो रही हैं। 'आप' दिल्ली में हैट्रिक लगाने की तैयारी में है, तो भाजपा सत्ता विरोधी लहर, शीश महल, भ्रष्टाचार के आरोप को आधार बनाकर उसे रोकना चाहती है। कांग्रेस अपनी खोयी जमीन को पाने की जद्दोजहद में जुटी है। सबसे दिलचस्प एवं रोमांचक इस चुनाव में देखना है दिल्ली की जनता किसके सर पर ताज पहनाती है?

चुनाव की घोषणा से पहले ही तीनों राजनीतिक दल आम मतदाता को लुभाने के लिये तरह-तरह की घोषणाएं करते हुए जनता से मुखातिब हो रहे हैं, जनता के बीच जा रहे हैं, सभाएं कर रहे हैं, यात्रा निकाल रहे हैं। 'आप' तमाम तरह की संकट एवं संघर्षपूर्ण स्थितियों के बावजूद मजबूती बनाये हुए है, क्योंकि आप-सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम, जैसेकि सरकारी स्कूलों का कायाकल्प, मोहल्ला क्लीनिक और मुफ्त बिजली, साथ ही महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और वरिष्ठ नागरिकों को फ्री में तीर्थ यात्रा कराना उसकी ताकत बनी हुई है। नयी घोषणाओं के साथ वह अपनी इस ताकत को बढ़ाते हुए 'आप' ने महिलाओं को 2100 रुपये हर महीने देने, बुजर्गों को फ्री इलाज, ऑटो चालकों को 10 लाख का बीमा देने, पंडितों एवं ग्रंथियों को 18 हजार प्रतिमाह जैसी कई योजनाओं का ऐलान किया है, जो पूरे चुनाव का रुख मोड़ सकती हैं। 'रेवड़ी पर चर्चा' जैसी मुहिम से 'आप' हर वोटर के घर तक पहुंच रही है। पब्लिक को बार-बार याद दिला रही है कि उनकी सरकार ने क्या-क्या काम किए हैं। लेकिन 'आप' के खिलाफ सरकार में 10 साल रहने की वजह से सत्ता विरोधी लहर काफी बढ़ गई है। कई वोटर बदलाव की जरूरत महसूस करते हैं। दिल्ली का विकास अवरुद्ध है, वायु प्रदूषण जानलेवा साबित हो रहा है, यमुना प्रदूषित हो चुकी है, जनता को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल रहा है, सड़के गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं की भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तारी

हुई है। 'शीश महल' विवाद ने अरविंद केजरीवाल की छवि को नुकसान पहुंचाया है। इससे पार्टी की साफ सुथरी छवि धूमिल हुई है। इसके अलावा मतभेद की वजह से कई नेता छोड़ गए, इससे केजरीवाल की जीत की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। लगता है कि 'आप' की उलटी गिनती तो शुरु हो गयी है, देखना है वह कहां जाकर रूकती है।

दिल्ली में जीत के नये कीर्तिमान गढ़ने वाली नई नवेली 'आप' ने साल 2013 में अपने पहले चुनाव में 70 में से 28 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया था। उस समय भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन 'आप' ने कांग्रेस से मिलकर सरकार बनाई। लेकिन यह सरकार सिर्फ 49 दिनों तक चल पाई। अरविंद केजरीवाल ने फ़रवरी 2014 में ये कहते हुए इस्तीफ़ा दे दिया कि दिल्ली विधानसभा में संख्या बल की कमी की वजह से वो जन लोकपाल बिल पास कराने में नाकाम रहे हैं, इसलिए फिर से चुनाव बाद पूर्ण जनादेश के साथ लौटेंगे। 2015 में जब चुनाव हुआ तो दिल्ली की राजनीति में इतिहास रचते हुए 'आप' ने 70 में से 67 सीटें जीत लीं। वर्ष 2020 में भी आप ने जीत का कीर्तिमान बनाते हुए 62 सीटें जीती।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार का चुनाव काफ़ी रोचक होने वाला है लेकिन यह 'आप' के लिये चुनौतीपूर्ण होने के साथ संकटपूर्ण है। जिस भ्रष्टाचार के मुद्दे पर अन्ना आंदोलन के बीच से आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ, इसी मुद्दे पर भाजपा केजरीवाल को घेरने की पुरज़ोर कोशिश कर रही है। आप को भाजपा ही नहीं, कांग्रेस से भी बड़ा खतरा है। भाजपा ने अभी अपने पूरे उम्मीदवारों की सूची भी जारी नहीं की है लेकिन चुनाव प्रचार अभियान के लिए पार्टी ने अपने स्टार प्रचारक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उतार दिया है और उन्होंने अपनी पहली ही चुनावी सभा में आम आदमी पार्टी पर आक्रामक हमला बोलते हुए उसे दिल्ली के लिये 'आप-दा' यानी बड़ा संकट कह दिया है। आप के नेताओं पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप, एलजी ऑफिस के साथ टकराव और कई अन्य फैसले 'आप' की विश्वसनीयता एवं सुदृढ़ता को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

दिल्ली विधानसभा का चुनाव इसलिए ज्यादा ही महत्वपूर्ण है कि इसका असर राष्ट्रव्यापी होता है। दिल्ली सरकर की सांविधानिक शक्तियां भले ही सीमित हों, मगर राष्ट्रीय मीडिया के केंद्र में होने के नाते इसके नेताओं को तुरंत राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय पहचान बन जाती है। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती कि दिल्ली को एक मॉडल स्टेट बनना चाहिए था, मगर न यह विकास का मॉडल बन सका और न ही सुचारू सुशासन प्रणाली का। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था एवं विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर देश की राजधानी की दुर्दशा एवं ठहरा हुआ विकास एक बदनुमा दाग है, विडंबना यह है कि इसके लिए 'आप' सरकार दोषी होते हुए भी क्या आम जनता की अदालत में दोषी साबित होगी? भाजपा, कांग्रेस और आप तीनों के लिए यह विधानसभा चुनाव करो या मरो की स्थिति वाला है। पिछले तीन लोकसभा चुनावों से केंद्र में सरकार बनाने वाली और दिल्ली की सभी संसदीय सीटें लगातार जीतने के बावजूद भाजपा पिछले 26 वर्षों से राजधानी की सत्ता से दूर है। यही नहीं, दिल्ली नगर निगम में दशकों से कायम उसकी सत्ता भी छिन चुकी है। ऐसे में इस टीस को वह इस विधानसभा चुनाव में जरूर दूर करना चाहेगी और इसके लिये उसकी तैयारी ही केजरीवाल के लिये संकट का बड़ा कारण है। विश्लेषकों का कहना है कि यह चुनाव इसलिए भी रोचक होने जा रहा है क्योंकि इसके नतीजे राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करेंगे और सबसे ज्यादा, आम आदमी पार्टी के भविष्य को तय करेंगे।

दिल्ली की यह चुनावी लड़ाई इस मायने में खास नहीं कही जाएगी कि इस बार भी वही तीनों दल प्रमुखता से मैदान में हैं, जो पिछले चुनावों में थे। 'आप' के अस्तित्व में आने के बाद से यहां त्रिकोणिय मुकाबला ही हो रहा है। यह अलग बात है कि इस अपेक्षाकृत नई पार्टी ने एक बार वर्चस्व स्थापित होने के बाद यहां अपनी पकड़ कमजोर नहीं होने दी। पिछले दो चुनावों में उसे दिल्ली की जनता से शानदार बहुमत मिला। नई और दो राज्यों में सत्तारूढ़ होने के बावजूद 'आप' ने मुफ्त की संस्कृति एवं आक्रामक शैली की राजनीति से अपनी अलग पहचान बनाई है। इस आक्रामकता एवं मुफ्त की संस्कृति ने जहां 'आप' को नई धार दी है, ताकत दी, पहचान दी वहीं अन्य दलों के साथ उसके संबंधों को भी सहज-सामान्य होने से रोका है। धीरे-धीरे उसकी यही ताकत उसकी कमजोरी बनती जा रही है। भाजपा एवं कांग्रेस भी उस पर हमले करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही। इसमें खास बात सिर्फ यही है कि छह महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और आप दोनों ही विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में शामिल थे और भाजपा पर संयुक्त हमला कर रहे थे। जाहिर है, इनके बीच की तीखी बयानबाजी इंडिया गठबंधन के अंदर असहजता पैदा कर रही है और शिवसेना (यूबीटी) जैसे दल इनसे संयम बरतने की अपील भी कर चुके हैं। जिस तरह से विधानसभा चुनाव-2025 लड़ा जा रहा है, उससे साफ है कि नतीजा चाहे जो भी हो उसके निहितार्थ दूर तक जाएंगे। दिल्ली की सत्ता 'आप' के आंतरिक समीकरण के लिहाज से भी अहम है। ऐसे में वह हर हाल में अपनी कामयाबी दोहराना चाहेगी। लेकिन इस चुनाव में परीक्षा सिर्फ इन राजनीतिक पार्टियों की नहीं, बल्कि दिल्ली के मतदाताओं की भी होगी कि वे अपनी समस्याओं के प्रति कितनी सजगता दिखाते हैं? इस बार दिल्ली की जनता को अपने हित की बजाय दिल्ली के हित में सोचना है। देखना है कि क्या जनता स्वहित के चलते आधे इंजन की सरकार बनायेगी या दिल्ली के समग्र एवं भ्रष्टाचारमुक्त शासन के लिये डबल इंजन की सरकार बनायेगी। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं।

भूकंप का घातक प्रहार झेलने के लिए हम कितने तैयार

(अतींद्र कुमार शुक्ला, भूकंप विज्ञानी)

मंगलवार सुबह चीन में आए भूकंप की वजह से 60 से ज्यादा लोगों की मौत बहुत दुखद है और इससे भूकंप के मामलों में हमारी लाचारी का भी पता चलता है। यह भूकंप एक बार फिर संवेदनशील माने जाने वाले देशों के लिए चेतावनी है। भूकंप के जोखिम और उससे जुड़े तमाम इंतजामों को फिर परख लेना समय की मांग है।

यह बात हम ठीक से जानते हैं कि भारतीय भूभाग का 59 प्रतिशत हिस्सा भूकंप की दृष्टि से ज्यादा संवेदनशील है। भूगर्भीय प्लेट की वजह से ही भूकंप आते हैं और हिमालय खास तौर पर संवेदनशील है। साल 1975 से अब तक अगर देखें, तो छह मैग्नीट्यूड या उससे ऊपर के आठ भूकंप आ चुके हैं। इनमें से कच्छ का भूकंप 6.9 मैग्नीट्यूड का था। पांच दशक के समय में ही आठ बड़े भूकंपों ने लोगों की चिंता बढ़ा रखी है।

कुछ चिंताएं हैं, क्या भूकंप सुबह के समय ज्यादा आते हैं? क्या ठंड के दिनों में ज्यादा आते हैं? वैसे भूकंप का कोई तय समय या मौसम नहीं है, फिर भी यह ध्यान आता है कि भुज का भूकंप 26 जनवरी, 2001 को आया था, तो बिहार-नेपाल में 1934 का खतरनाक भूकंप 15 जनवरी को आया था। वैसे, सावधान रहना चाहिए कि भूकंप कभी भी आ सकता है। बड़ा सवाल यह है कि नुकसान कितना होगा? नुकसान से जुड़ा एक अध्ययन साल 2013 में ही बिहार में किया गया था। यह जानने की कोशिश की गई थी कि साल 1934 में बिहार-नेपाल में 8.4 मैग्नीट्यूड का भूकंप आया था, वैसा ही भूकंप अगर फिर आए, तो क्या होगा? अध्ययन में देखा गया था कि अगर रात के समय भूकंप आता है, तो कितना नुकसान होगा और दिन में आया भूकंप कितना घातक होगा? दस करोड़ से ज्यादा की आबादी वाले बिहार में अगर रात के समय भूकंप आता है, तो दो लाख 22 हजार से ज्यादा मौत का अनुमान है। यही अगर दिन में आए, तो 72 हजार से ज्यादा मौतें हो सकती हैं।

अब सवाल है कि हम बचाव के लिए क्या करें? वास्तव में, आज अपने घरों और भवनों को भूकंप सहने लायक बनाने की जरूरत सबसे बड़ी है। पर्याप्त वैज्ञानिक अध्ययन हुए हैं, भूकंपरोधी निर्माण के मापदंड बने हैं, पर क्या उनकी पालना हो रही है? यह केवल सरकारों को ही नहीं, बल्कि आम लोगों को भी सोचना चाहिए। एक बड़ा सवाल यह भी है कि क्या हम समय पूर्व चेतावनी का कोई तंत्र बना सकते हैं? भूकंप से जो ऊर्जा पैदा होती है, वह विभिन्न लहरों या वेव के माध्यम से विभिन्न जगह पहुंचती है। मुख्य लहर को हम प्राथमिक या प्राइमरी लहर और

बिन्दु मिलाओ और कलर करो...

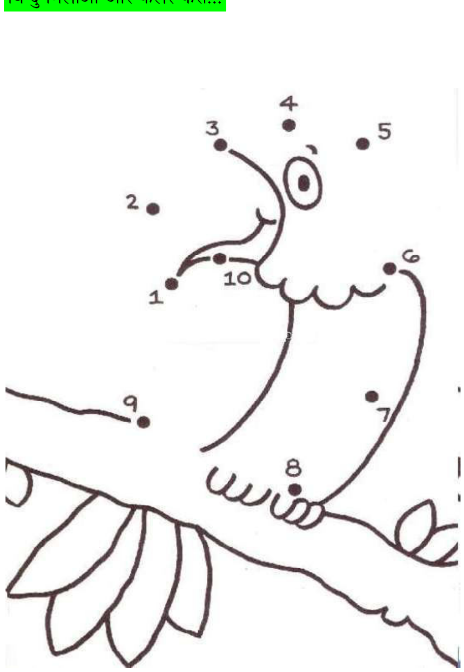

वर्ग पहेली 5483

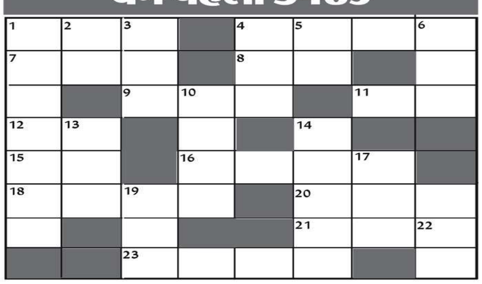

संकेतः बाएं से दाएं

1. 1995 को इस देश की क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज को हराकर शारजहां कप (फाइनल ट्रॉफी) अपने नाम किया (3)
4. 1930 में भारत में उच्च न्यायाल की इस प्रथम महिला न्यायाधीश ने जन्म लिया था (4)
7. अमानत में खयानत, प्रेमचंद की एक प्रसिद्ध कृति (3)
8. क्षण, लम्हा (2)
9. झुकना, प्रणाम करना (3)
11. बटा हुआ महीन रेशम, पहनावा, वेष-विन्यास (2)
12. अहित कामना सूचक शब्द (2)
15. निकटस्थ वस्तु का निदेशक सर्वनाम (2)
16. देवों का शत्रु होने के कारण असुर को यह भी कहा जाता है (4)
18. अशांवतार, धर्मपुत्र (4)
20. मित्र, दोस्त, सखा (2)
21. प्रदर्शित करना, बताना (3)
23. पुराणानुसार सात लोकों में से छठे लोक का नाम जहां असुर राज करते है (4)

ऊपर से नीचे

1. किसी शुभ कार्य का आरंभ (7)
2. आधार से समकोण बनाती हुई ऊपर जाने वाली रेखा (2)
3. जंगल, अरण्य, वन (3)
4. लेप करना (3)
5. इंद्रधनुष के रंगों में से एक, मंगल ग्रह इस रंग का बताया गया है (2)
6. छलपूर्वक किसी का माल, असबाब आदि हर लेना (3)
10. देवों के देव होने के कारण भगवान शंकर का एक नाम (4)
13. तीन घंटे का समय, याम (3)
14. मुक्त हस्त, उदारमन, दिलदरियाव (5)
17. पूर्वज, सयाना और वृद्ध व्यक्ति (3)
19. पति का छोटा भाई यह कहलाता है, धमेंद्र, शर्मिला टेगोर की 1966 की एक सफल फिल्म (3)
22. संबंध से, हेतु, वास्ते (2)

वर्ग पहेली 5482 का हल

गु	रू	अं	ग	द		दां	ते
ल	ट	क	न		स	त	ह
जा			पा	व	न		रा
र	श्क		व	ह	म		न
		रो	ड			बिं	
	उ	ज	र	त		दू	आ
आ		गा		मी			खि
ह	स	र	त	ज	य	पु	री

रास्ता खोजो

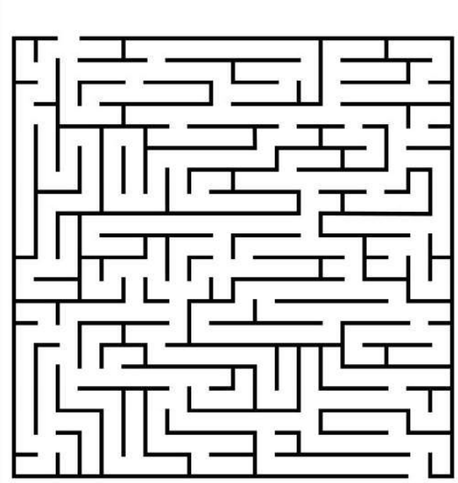

Reliance
Konark
Enterprises Pvt. Ltd.
AUTHORISED DEALER
Fully Computerised Weigh Bridge 50 TON
100% Quality & Quantity
Reliance Petrol Pump, Near Sai baba Mandir, Ambarnath

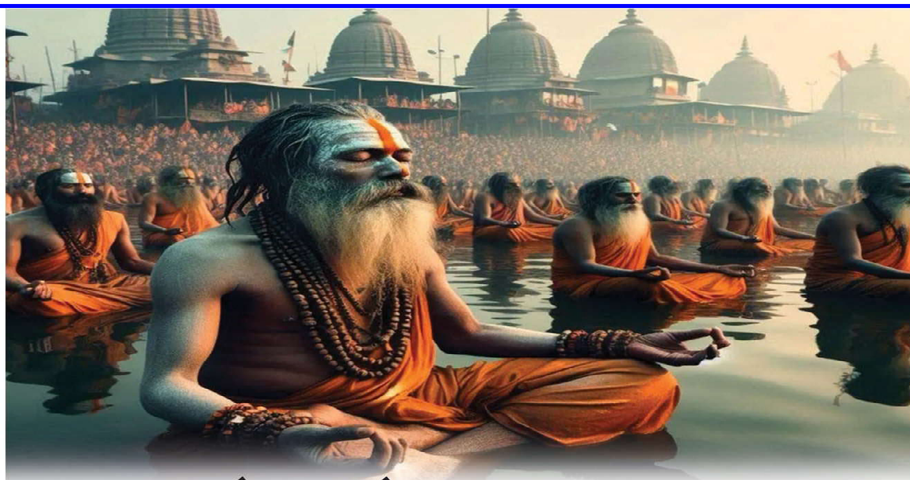

महाकुंभ से घर में जरूर लाएं ये चीजें, बदल जाएगी किस्मत

महाकुंभ मेला आरंभ हो गया है और 26 फरवरी को समाप्त होगा। धार्मिक मान्यता है कि महाकुंभ से शुभ चीजें लाने से व्यक्ति को खुशियां मिलती हैं और उसका जीवन खुशहाल हो जाता है।

महाकुंभ का आयोजन बड़े स्तर पर किया जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, महाकुंभ में स्नान करने से जातक को मोक्ष की प्राप्ति होती है और जीवन के सभी पापों से छुटकारा मिलता है। इसके अलावा विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। यदि कोई व्यक्ति महाकुंभ के शाही स्नान के दिन स्नान करता है, तो उसे सभी प्रकार के पापों से छुटकारा मिलता है, उनसे छुटकारा मिलता है। ऐसा माना जाता है कि यदि आप महाकुंभ से शुभ चीजें लाते हैं, तो आपके घर और परिवार में हमेशा शांति और खुशी बनी रहेगी और आप सभी प्रकार की समस्याओं से मुक्त हो जाएंगे। महाकुंभ के दौरान कुछ खास चीजें लेकर आना परिवार में समृद्धि, शांति और किस्मत को चमकाने का कारण बन सकता है। आइए जानते हैं उन चीजों के बारे में जो महाकुंभ से घर लानी चाहिए।

गंगा जल

महाकुंभ से गंगा जल लेकर घर में रखना शुभ होता है। गंगा जल को पवित्र माना जाता है और यह घर में शांति और सकारात्मक ऊर्जा लाने का माध्यम माना जाता है। इसे घर के पूजा स्थान पर रखें, इससे घर में सुख-समृद्धि का वास होता है और परिवार से कलह का दूर होती है।

संगम की मिट्टी

संगम की पवित्र मिट्टी को भी घर में रखना बहुत शुभ माना जाता है। इसे घर के मुख्य द्वार या पूजा स्थल पर रखें, इससे घर में आने वाली नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मकता का प्रवाह होता है।

तुलसी के पत्ते

महाकुंभ में तुलसी के पत्ते का भी खास महत्व होता है। इन्हें घर में रखना परिवार के लिए सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बनता है। तुलसी को घर में रखने से शांति का वातावरण बनता है और दरिद्रता दूर होती है।

शिवलिंग या पारस पत्थर

शिवलिंग या पारस पत्थर को महाकुंभ से लेकर आना भी अत्यंत लाभकारी माना जाता है। इसे घर में पूजा स्थल पर रखना विशेष लाभकारी होता है, जिससे घर में समृद्धि आती है और जीवन में खुशियां बढ़ती हैं। इन पवित्र और शुभ वस्त्रों को महाकुंभ से घर लाने से न सिर्फ परिवार में शांति रहती है, बल्कि यह घर में खुशहाली और समृद्धि आती है।

महाकुंभ में सबसे बड़ा अखाड़ा कौन सा है? जानें इसका रहस्य

महाकुंभ में साधु-संतों का आना इसकी दिव्यता को और भी बढ़ा देता है। यूं तो महाकुंभ में कई अखाड़े आते हैं, लेकिन आज हम जानेंगे कि सबसे बड़ा अखाड़ा कौन सा है।

महाकुंभ 2025 का आरंभ हो चुका है। अलग-अलग अखाड़ों से जुड़े साधु-संत महाकुंभ में पधार चुके हैं। यहां तक कि पौष पूर्णिमा के दिन पहला और मकर संक्रांति के दिन दूसरा शाही स्नान भी साधु-संतों द्वारा किया जा चुका है। मान्यता हैं कि महाकुंभ में साधु-संतों के दर्शन से जीवन को एक नई दिशा मिलती है और सकारात्मकता एवं ज्ञान का व्यक्ति में संचार होता है। व्यक्ति आध्यात्म की ओर बढ़ता है।

महाकुंभ में साधु-संतों का आना इसकी दिव्यता को और भी बढ़ा देता है क्योंकि धर्म और भक्ति के इस महापर्व में अनेकों प्रकार के साधु-संत आते हैं ताकि उनकी सालों से चले आ रहे कठोर तप को पूर्णता प्राप्त हो और वह भगवान के चरणों में लीन हो जाएं। यूं तो महाकुंभ में कई अखाड़े आते हैं, लेकिन आज हम जानेंगे कि सबसे बड़ा अखाड़ा कौन सा है।

महाकुंभ 2025 में सबसे बड़ा अखाड़ा कौन सा है?

महाकुंभ में तीन प्रकार के अखाड़े हैं - शैव अखाड़ा जो भगवान शिव की परंपरा अनुसार चलता है, वैष्णव अखाड़ा जिसमें भगवान विष्णु द्वारा बताये गए मार्ग का अनुसरण किया जाता है और उदासीन अखाड़ा जिसमें साधु-संतों द्वारा भगवान शिव के प्रतीक ऊँ की पूजा होती है। इन सभी अखाड़ों में शैव संप्रदाय का प्रतिनिधित्व करने वाला श्री पंचदशनाम जूना आखाड़ा सबसे बड़ा है। जूना अखाड़ा उत्तराखंड के कर्णप्रयाग में 1145 में स्थापित किया गया था। इस अखाड़े के साधु-संतों द्वारा भगवान शिव और उनके अंश दत्तात्रेय की पूजा का विधान है।

यह अखाड़ा नागा साधुओं के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध है, और यहां नागा साधुओं की संख्या सबसे अधिक पाई जाती है। इस अखाड़े में लगभग 5 लाख नागा साधु और महामंडलेश्वर संन्यासी शामिल हैं। इस अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि महाराज हैं और इसके अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्रीमहंत हरिगिरी हैं। जूना अखाड़े की पेशवाई महाराजाओं की शान और वैभव को प्रदर्शित करती है। इसमें स्वर्ण रथ और अन्य कई प्रकार के वैभवपूर्ण सामान दिखाई देते हैं। इस अखाड़े की पेशवाई में हाथी भी सम्मिलित होता है, जो इसकी भव्यता को और बढ़ाता है। यह एक प्रकार से शाही अखाड़ा है।

महाकुंभ में हठयोगी क्यों नहीं काटते हैं अपने नाखून और बाल?

13 जनवरी, दिन सोमवार, पौष पूर्णिमा से महा कुंभ का आरंभ हो चुका है। महाकुंभ के पहले दिन ही शाही स्नान किया जा रहा है। सबसे पहले नागा साधु शाही स्नान करेंगे और फिर उसके बाद अन्य गृहस्थ भक्तों को स्नान की आज्ञा होगी। महाकुंभ एक ऐसा महा पर्व है जहां भिन्न-भिन्न प्रकार के और अलग-अलग मठों से आए साधु-संतों के दर्शन होते हैं। माना जाता है कि महाकुंभ जिस भी व्यक्ति ने अपने जीवन काल में एक बार भी देख लिया या उसका हिस्सा बन गया तो मानो उस व्यक्ति का कल्याण ही कल्याण भगवान द्वारा निश्चित है।

महाकुंभ में साधु-संतों के बीच हठ योगी भी पधारते हैं। हठ योगी संतों की वो श्रेणी होती है जहां संत एक विशेष योग मुद्रा में सालों से ताप करते हैं। अमूमन तौर पर जो साधु-संत होते हैं उनके नियम फिर भी थोड़े सरल होते हैं लेकिन हठ योगियों के नियम बहुत कठिन माने जाते हैं। इन्हीं नियमों में से एक है बाल और नाखून न काटना। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं इस बारे में।

महाकुंभ में हठ योगी क्यों नहीं कटवाते हैं बाल और नाखून?

हठ योगी भगवान शिव की साधना में लीन रहते हैं। भगवान शिव के स्वरूप को याद किया जाए तो स्वयं महादेव की भी जटाएं हैं। ऐसे में हठ योगी जब अपने केशों को जटाओं में परिवर्तित करते हैं तो वह एक प्रकार से भगवान शिव के प्रतीक को धारण कर रहे हैं।

ऐसे में जटाओं को काटना शिव शंभू शंकर के अपमान के समान है। महाकुंभ में जिन जटाओं को जब प्रयागराज में स्नान कराया जाता है या यूं कहें कि धोया जाता है तब संपूर्ण दिव्यता हठ योगियों की इन्हीं जटाओं में समाहित हो जाती है जिसका आभास सिर्फ उन्हें ही होता है।

महाकुंभ के दौरान या फिर जब महाकुंभ नहीं भी होता है तब हठ योगी अपने नाखून भी नहीं काटते हैं क्योंकि नाखून काटना शारीरिक मोह को दर्शाता है। हठ योगियों में शरीर के प्रति हर प्रकार के लगाव को छोड़ने का नियम होता है। ऐसे में वो अपने शरीर के रखरखाव पर ध्यान नहीं देते हैं। महाकुंभ में हठयोगी अपना हठ दिखाने नहीं आते हैं बल्कि भगवान शिव की कृपा प्राप्ति और प्रयागराज संगम पर स्नान कर अपने हठ योग को पूर्ण समापन की ओर ले जाने के लिए आते हैं क्योंकि इसके बाद उन्हें आगे स्वयं महादेव प्राप्त हो जाते हैं और हठ योगियों में दिव्य शक्तियां आ जाती हैं।

गीता के 700 श्लोकों में है हर समस्या का समाधान

गीता कहती है कि जीवन रोने के लिए नहीं, भाग जाने के लिए नहीं है, हंसने और खेलने के लिए हैं। यह हमें संकटों से, हिम्मत से लड़ने की प्रेरणा देती है। गीता मानव मात्र को जीवन में प्रतिक्षण आने वाले छोटे-बड़े संग्रामों के सामने हिम्मत से खड़े रहने की शक्ति देती है। श्रीमद्भगवद्गीता ज्ञान का अद्भुत भंडार है। हम हर काम में तुरंत नतीजा चाहते हैं लेकिन भगवान ने कहा है कि धैर्य के बिना अज्ञान, दुख, मोह, क्रोध, काम और लोभ से निवृत्ति नहीं मिलेगी।

- श्रीमद्भगवद्गीता एक दिव्य ग्रंथ है। गीता मरना सिखाती है, जीवन को तो धन्य बनाती ही है। यह हमें पलायन से पुरुषार्थ की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देती है।
- श्रीमद्भगवद्गीता हिन्दुओं के पवित्रतम ग्रंथों में से एक है।
- गीता केवल धर्म ग्रंथ ही नहीं यह एक अनुपम जीवन ग्रंथ है। जीवन उत्थान के लिए इसका स्वाध्याय हर व्यक्ति को करना चाहिए।
- श्रीमद्भगवद्गीता की पृष्ठभूमि महाभारत का युद्ध है।
- श्रीमद्भगवद्गीता के 18 अध्याय हैं और महाभारत का युद्ध भी 18 दिन ही चला था।
- अर्जुन को भगवान श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था।
- गीता में कर्तव्य को ही धर्म कहा है। भगवान कहते हैं कि अपने कर्तव्य को पूरा करने में कभी भी लाभ-हानि का विचार नहीं करना चाहिए।
- गीता के 700 श्लोकों में हर उस समस्या का समाधान है, जो हर इंसान के सामने कभी न कभी आती हैं।
- गीता एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसकी जयंती मनाई जाती है।

भगवान ने अर्जुन को निमित्त बनाकर, गीता के ज्ञान द्वारा विश्व के मानव को पुरुषार्थ करने की प्रेरणा दी है।

महाकुंभ का मुख्य आकर्षण है यह अक्षय वट, जल प्रलय भी नहीं हिला सका इसकी जड़ें

महाकुंभ लोक आस्था का प्रमुख केंद्र है जिसमें स्नान करने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं। महाकुंभ न केवल भारत में प्रसिद्ध है बल्कि विदेशों में भी इसका आकर्षण देखने को मिलता है। 144 वर्षों बाद आयोजित होने के कारण महाकुंभ का महत्व और भी बढ़ जाता है।

इस बार महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में हो रहा है। महाकुंभ के साथ-साथ प्रयागराज में संगम के किनारे स्थित अक्षय वट भी चर्चा का विषय है। क्योंकि इस वृक्ष से जुड़े कई प्रसंग मिलते हैं, जिन्हें पौराणिक काल से जोड़कर देखा जाता है। चलिए जानते हैं इस विषय में।

इसलिए खास है अक्षयवट

त्रिवेणी संगम के पास स्थित होने के कारण यह वृक्ष तीर्थयात्रियों और श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है। मान्यता है कि महाकुंभ के दौरान अक्षयवट के दर्शन मात्र से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और जीवन-मरण के बंधनों से मुक्ति मिल जाती है। इस वक्ष को काफी पवित्र माना जाता है और इसकी परिक्रमा भी की जाती है। महाभारत और अन्य पुराणों में इस वृक्ष को ब्रह्मा, विष्णु और महेश द्वारा संरक्षित बताया गया है, जिस कारण इसे त्रिदेवों की कृपा का स्थान भी माना जाता है। साथ ही यह भी माना गया है कि इस अक्षय वट की पूजा-अर्चना से साधक को अक्षय पुण्य की प्राप्ति हो सकती है।

मिलती हैं ये कथाएं

अक्षय वट वृक्ष को लेकर प्रचलित कथा के अनुसार, जब अपने वनवास के दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के साथ प्रयागराज आए, तो उन्होंने इसी वट वृक्ष के नीचे विश्राम किया था। इसी के साथ यह स्थान कई ऋषि-मुनियों का तपस्थल भी रहा है। पौराणिक मान्यता है कि ऋषि मार्कंडेय ने इसी वृक्ष के नीचे तपस्या की थी। इसी के साथ जैन धर्म के अनुयायियों का मानना है कि उनके तीर्थंकर ऋषभदेव ने भी इसी अक्षय वट के नीचे तपस्या की थी, इसलिए इस स्थान को ऋषभदेव तपस्थली या तपोवन के नाम से भी जाना जाता है।

लोक आस्था का केंद्र

प्रयागराज में संगम के किनारे स्थित अक्षय वट को लेकर एक पौराणिक मान्यता और भी है, जिसके अनुसार जब सृष्टि के आरंभ में जल प्रलय हुआ, तो समूची पृथ्वी डूब गई थी, लेकिन तब केवल यह वट वृक्ष ही बचा था। तब इसके एक पत्ते पर ईश्वर बाल रूप में रहकर सृष्टि को देखते हैं। इसलिए यह वृक्ष, महाकुंभ के मुख्य आकर्षणों में से एक है, जो लोक आस्था का केंद्र भी बना हुआ है।

महाकुंभ 2025: अब तक 8.26 करोड़ श्रद्धालुओं ने किया स्नान

स्वामी चिदानंद के शिविर में पहुँचे पूर्व राष्ट्रपति,कहा राम की बात मानने में झिझक क्यों

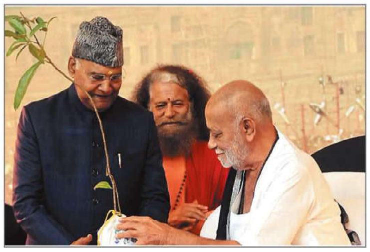

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शंकराचार्य समेत संत-महात्माओं के शिविर में पहुंचे। जहां उन्होंने सुविधाओं का जायजा लिया। साथ ही संतों से चर्चा भी की। संगम में आस्था की डुबकी जारी है। महाकुंभ में अब तक 8.26 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान कर लिया है। पूर्व राष्टपति रामनाथ कोविंद स्वामी चिदानंद के अरैल स्थित शिविर पहुंचे। यहां मोरारी बापू रामकथा सुना रहे हैं।

चिदानंद सरस्वती ने कहा- हम न बंटेंगे, न डरेंगे, न लड़ाएंगे - महाकुंभ में मोरारी बापू की कथा में पूर्व राष्टपति रामनाथ कोविंद, पत्नी और बेटी के साथ शामिल हुए। कोविंद ने कहा- हम श्रीराम को मानते हैं तो उनकी बातों को मानने में झिझक क्यों होती है। स्वामी चिदानंद ने कहा- अब समय आ गया है कि हम न बंटेंगे, न बाटेंगे, न डरेंगे, न डराएंगे, न कटेंगे, न लड़ेंगे, न लड़ाएंगे।

53 फायर स्टेशन बनाए गए हैं: अविनाश चंद्र

महाकुंभ में आग लगने की घटना पर छत्र फायर अविनाश चंद्र ने कहा, ... हम लोगों को आग से सचेत रहने के लिए जागरूक कर रहे हैं। हम राज्य सरकार के निर्देश पर काम कर रहे हैं...यहां पर 53 फायर स्टेशन बनाए गए हैं... 1400 फायरकर्मी यहां तैनात हैं...इस घटना की जांच का अधिकार पुलिस को है। स्थानीय पुलिस अधिकारी इस मामले की जांच कर रहे हैं। कई तरह की अफवाहें हैं, लेकिन जांच के बाद ही सही कारण का पता चलेगा.।

महाकुंभ में आठवें दिन 38 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने लगाई डुबकी

महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। रविवार को जहां 22 से अधिक

श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाई थी, वहीं सोमवार को 38 लाख से अधिक श्रद्धालु संगमनगरी पहुंचे। वाहनों की भारी आवाजाही के चलते चारो तरफ जाम की स्थिति बन गई है।

नारी सशक्तीकरण का साक्षी बना महाकुंभ, जूना अखाड़े में प्रवेश के लिए दी गई दीक्षा

सनातन की शक्ति है महाकुंभ का श्रृंगार कहे जाने वाले 13 अखाड़े। महाकुम्भ के मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के पहले इन अखाड़ों में फिर नागा संन्यासियों बनाने का सिलसिला चल रहा है। बड़ी संख्या में अखाड़ों में नव प्रवेशी साधुओं को दीक्षा देने की। सनातन की शक्ति है महाकुम्भ का श्रृंगार कहे जाने वाले 13 अखाड़े। महाकुम्भ के मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के पहले इन अखाड़ों में फिर नागा संन्यासियों बनाने का सिलसिला चल रहा है। बड़ी संख्या में अखाड़ों में नव प्रवेशी साधुओं को दीक्षा देने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसमें भी नारी शक्ति की भागीदारी भी तेजी से बढ़ी है।

100 से अधिक महिलाओं ने ली नागा संस्कार की दीक्षा- प्रयागराज महाकुंभ नारी सशक्तीकरण को लेकर भी नया इतिहास लिख रहा है। महाकुंभ में मातृ शक्ति ने अखाड़ों से जुड़ने में गहरी रुचि दिखाई है। रविवार को संन्यासिनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े में सौ से अधिक महिलाओं को महिला नागा की दीक्षा दी गई। संन्यासिनी श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े की महिला संत दिव्या गिरी बताती हैं कि रविवार महाकुंभ में अकेले श्री पंच दशनाम जूना अखाड़े के अंतर्गत 100 से अधिक महिलाओं की संन्यास दीक्षा दी गई।

केरल में 24 साल की महिला को फांसी की सजा

बॉयफ्रेंड को जहर देकर मारा था, अदालत बोली- ये रेयरेस्ट ऑफ रेयर केस है

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के तिरुवनंतपुरम की डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने सोमवार को 24 साल की एक युवती को फांसी की सजा सुनाई। युवती ने अक्टूबर 2022 में आयुर्वेदिक टॉनिक में जहर मिलाकर अपने बॉयफ्रेंड को पिलाकर उसकी हत्या कर दी थी।

युवती की शादी कहीं और तय हो गई थी, इसलिए उसने बॉयफ्रेंड से पीछा छुड़ाने के लिए उसकी जान ले ली। उसके चाचा निर्मलाकुमारण नायर को हत्या में साथ देने और सबूत मिटाने का दोषी पाया गया गया, उसे 3 साल की सजा सुनाई गई। जबकि युवती की मां को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

सजा सुनाते हुए अदालत ने कहा- ये रेयरेस्ट ऑफ द रेयर केस है। लड़की ने उस व्यक्ति को धोखा दिया जो उससे प्यार करता था और इससे समाज में अच्छा संदेश नहीं गया। सजा सुनाए जाने के बाद दोषी ग्रीष्मा को महिला जेल और सुधार गृह, अट्टाकुलंगरा ले जाया गया।

गोरखपुर में योगी ने हाथी-गैंडों को केले खिलाए

सीएम को देख टाइगर दहाड़ा, बहराइच से पकड़े गए भेड़ियों का नाम भैरव-भैरवी रखा

गोरखपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को गोरखपुर में हैं। उन्होंने शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान में हाथी रेस्क्यू सेंटर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना की। हाथी को उसके बाड़े में केला और गन्ना खिलाया। इसके बाद गैंडों को भी केले खिलाए।

उन्होंने बहराइच से पकड़कर लाए गए 2 भेड़ियों को नए बाड़े में छोड़ा। योगी ने नर भेड़िए का नाम भैरव और मादा का नाम भैरवी रखा। इसके बाद पीलीभीत से लाए गए टाइगर के बाड़े के सामने गए। सीएम को देखकर टाइगर ने दहाड़ लगाई।

जब योगी आदित्यनाथ ने मंच संभाला, तब उन्होंने सांसद रवि किशन को लेकर चुटकी ली। बोले- आप देखिएगा कि कितना भारी भरकम बाघ है। ये रवि किशन तो बाड़े में जाना चाहते थे, हम लोगों ने ही रोका कि अभी भाषण भी देना है, रहने दो।

योगी बोले- ये संवेदनशील हैं...

योगी ने कहा- आप देखिए, जब हम बब्बर शेर के बाड़े में गए। तो वहां के केयर टेकर उसको नाम से बुला रहे थे। वह आराम से आ जा रहा था। देखिए, वह भी प्यार समझते हैं। कितने संवेदनशील है। अगर कोई ठीक व्यवहार रखे, तो वह जानवर भी मनुष्य के पास आना चाहता है। कहने का मतलब है कि पर्यावरण के साथ तालमेल जरूरी है। हर व्यक्ति को 1 वर्ष में 10 पेड़ जरूर लगाना चाहिए।

संभल हिंसा में बड़ा खुलासा, मुल्ला अफरोज ने खोले राज

'नेताओं की तरफ से है हरी झंडी...पुलिसकर्मियों को मार दो'

संभल (एजेंसी)। संभल बवाल में गिरफ्तार किए गए मुल्ला अफरोज ने बताया कि 24 नवंबर को दूसरे साथी को शारिक साटा ने एक एप पर कॉल कर कहा था कि नेता भीड़ जमा करा रहे हैं। नेताओं की ओर से पूरी सपोर्ट है और हरी झंडी मिल गई है। इसलिए 10 से 20 पुलिसकर्मी और आम लोगों को मार दो। इससे पुलिस प्रशासन डर जाएगा और शासन भी पुलिसकर्मियों के खिलाफ ही कार्रवाई करेगा।

एसपी का कहना है कि मुल्ला अफरोज के मोबाइल में वह एप भी मिला है, जिससे इंटरनेशनल कॉल चल रही थी। मोबाइल को जब्त कर लिया गया है। उसकी जांच पड़ताल भी कराई जा रही है। जिससे कोई और सबूत भी शारिक साटा गिरोह के खिलाफ एकत्र हो सके और सख्त कार्रवाई हो सके।

मुल्ला अफरोज ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि शारिक साटा विदेश से हथियार भेजता है। इन हथियार की डिलिवरी कहां-कहां होनी है एक एप के माध्यम से कॉल कर सरगना बताता है। उसके बाद हथियार वहां पहुंचा दिया जाता है। मुल्ला अफरोज ने पुलिस को यह भी बताया है कि कुछ समय पहले तक हरियाणा और दिल्ली राज्यों में हथियारों की डिलीवरी दी है। इसके लिए कई सदस्य लगे रहते हैं। पुलिस को आरोपी ने कई सदस्यों के नाम भी बताए हैं जिनकी तलाश में पुलिस की टीम लग गई है।

एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि शारिक साटा इस गिरोह का संचालन दुबई से करता है। जो दाऊद इब्राहिम गिरोह और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में होने की बात सामने आ रही है।

मुल्ला अफरोज पर दर्ज हैं नौ मुकदमे

पुलिस को प्राथमिक छानबीन में मुल्ला अफरोज के खिलाफ नौ मामले दर्ज मिले हैं। इसमें हत्या, गैरइरादतन हत्या, डकैती, सार्वजनिक संपत्ति क्षति करने जैसे कई गंभीर अपराध में मामले दर्ज हैं। एसपी का कहना है कि आरोपी के आपराधिक इतिहास को और खंगाला जा रहा है। बताया कि इस मामले में सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025

गिल को उप-कप्तान बनाए जाने का हरभजन सिंह ने किया विरोध

नईदिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है और इन दोनों अहम टूर्नामेंट के लिए भारतीय वनडे टीम का उप-कप्तान शुभमन गिल को बनाया गया है। कुछ रिपोर्ट्स के मुताबित टीम के हेड कोच गौतम गंभीर चाहते थे कि भारतीय टीम का उप-कप्तान हार्दिक पांड्या को बनाय जाए, लेकिन अजीत अगरकर और रोहित शर्मा की पसंद गिल थे और इसकी वजह से ही उन्हें ये जिम्मेदारी दी गई।

अब गिल के वनडे का उप-कप्तान बनने के बाद टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी और कहा कि ऐसा अभी किए जाने की जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा कि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन शुभमन गिल को नया उप-कप्तान घोषित करने के पहले चैंपियंस ट्रॉफी तक का इंतजार कर सकते थे। वहीं उनका मानना है कि इस अहम टूर्नामेंट में भारतीय पारी की शुरुआत रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल करें, लेकिन उन्होंने इस संभावना को खारिज कर दिया कि गिल के उप-कप्तान बनने के बाद अब यशस्वी को शीर्ष क्रम में खेलने का मौका मिले।

हरभजन सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए कहा कि भारत रोहित-यशस्वी के साथ बतौर ओपनर जा सकता है क्योंकि टीम को ऐसे खिलाड़ी को मैदान पर उतारने की जरूरत है जो फॉर्म में है साथ ही टॉप ऑर्डर में दाएं-बाएं का संयोजन भी इससे आता है और इससे विरोधी गेंदबाजों को परेशानी होगी। हम सभी ने कहा कि जायसवाल को टीम में होना चाहिए। जिस तरह से उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में खेला उससे पता चलता है कि वह तैयार हैं। उन्हें न केवल टीम में होना चाहि, बल्कि उन्हें अंतिम एकादश में भी खेलना चाहिए, लेकिन अब मुझे लगता है कि उनका अंतिम एकादश में खेलना मुश्किल होगा।

भज्जी ने आगे कहा कि शुभमन गिल उप-कप्तान हैं और वह पारी की शुरुआत करेंगे। आप यह नहीं कह सकते कि यशस्वी जायसवाल ओपनिंग करेंगे, शुभमन गिल नंबर 3 पर खेलेंगे और विराट कोहली नंबर 4 पर। अगर ऐसा होता है, तो श्रेयस अय्यर कहां खेलेंगे। यहां पेंच है, लेकिन यशस्वी को खेलना चाहिए था। जब कोई खिलाड़ी फॉर्म में होता है, तो उसे खेलना चाहिए। भज्जी ने आगे कहा कि अगर शुभमन गिल को उप-कप्तान नहीं बनाया जाता तो यशस्वी खेल सकते थे। यशस्वी और रोहित ओपनिंग करते, विराट कोहली नंबर 3 पर बल्लेबाजी करते, श्रेयस अय्यर नंबर 4 पर और बाकी बल्लेबाजी क्रम वैसा ही होता। उस स्थिति में गिल बाहर बैठते, लेकिन अब वह उप-कप्तान हैं और मुझे नहीं लगता कि कोई उप-कप्तान बाहर बैठा है।

हरभजन ने कहा कि चयनकर्ताओं का फैसला इस बात का संकेत है कि गिल निकट भविष्य में वनडे टीम के कप्तान बन सकते हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने भविष्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें उप-कप्तान के रूप में चुना है। हो सकता है कि अगले छह-आठ महीनों में जब भी बदलाव होगा, गिल को यह जिम्मेदारी (कप्तानी) दी जाएगी। वैसे गिल को ये जिम्मेदारी देने के लिए चैंपियंस ट्रॉफी तक का इंतजार किया जा सकता था और फिर उन्हें उप-कप्तान बनाना चाहिए था। वैसे मैं गिल के लिए खुश हूं, लेकिन मैं चाहता था कि यशस्वी जायसवाल खेलें। शीर्ष पर बाएं-दाएं संयोजन महत्वपूर्ण है और वह खुलकर खेलते हैं साथ ही अच्छी फॉर्म में हैं।

जानसेन की बदौलत सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने डरबन सुपरजायंट्स को 6 विकेट से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। एसए20 में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने सेंट जॉर्ज पार्क में डरबन सुपर जायंट्स पर लगातार दूसरी बोनस अंक की जीत के साथ प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया है। गत चैंपियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने शानदार प्रदर्शन की बदौलत डरबन सुपर जायंट्स को छह विकेट से हरा दिया। लगातार तीन हार के बाद गत चैंपियन ने निश्चित रूप से वापसी की है और अब वह उस फॉर्म के करीब पहुंच रहे हैं, जिसने उन्हें पिछले दो सत्रों में लगातार एसए20 चैंपियनशिप जीतने में मदद की थी। पिछले सीजन के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज मार्को जानसेन (2/23) ने नई गेंद से विशेष प्रदर्शन करके वापसी की थी। जानसेन ने पारी की दूसरी ही गेंद पर डरबन के सुपरजाइंट्स के सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग को आउट कर दिया। जानसेन ने कहा, टीम की जीत से मुझे खुशी है। इस समय सब ठीक चल रहा है। पावरप्ले में गेंदबाजी करना आसान नहीं है, मेरे लिए यह विकेट लेने के बारे में है और सब कुछ अपने आप ठीक हो जाता है। मैं लगातार सटीक गेंदबाजी करने की कोशिश करता हूं। हमारे फैंस शानदार हैं और मैं उनके आने की सराहना करता हूं। जानसेन के अलावा रिचर्ड ग्लीसन (2-19), ओटनील बार्टमैन (2-30) और बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन (2-11) ने मेहमान टीम को 115/8 पर रोक दिया।ग्लीसन अब 14.25 की औसत से आठ विकेट लेकर प्रतियोगिता में विकेट लेने वालों की सूची में शीर्ष पर पहुंच गए हैं। सुपर जाइंट्स की पारी को न्यूजीलैंड के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी केन विलियमसन (45 गेंदों पर 44 रन) ने संभाला, लेकिन उन्हें तब तक बहुत कम सपोर्ट मिला।

ट्रेविस हेड बनेंगे ऑस्ट्रेलिया के कप्तान!

श्रीलंका दौरे से पहले मुश्किल में टीम

नईदिल्ली, एजेंसी। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025 के फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया टीम श्रीलंका का दौरा करेगी. इस दौरे पर दोनों टीमों के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी. इसके लिए ऑस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय टीम का ऐलान किया था, जिसमें पैट कमिंस इस सीरीज से बाहर हैं, क्योंकि वह टखने की तकलीफ से उबर रहे हैं और अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण परिवार के साथ हैं. ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने स्टीव स्मिथ को कप्तान और ट्रेविस हेड को उपकप्तान बनाया. लेकिन, श्रीलंका दौरे से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम में खलबली मच गई है.ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम को श्रीलंका दौरे से पहले बड़ा झटका लगा. टीम के अनुभवी बल्लेबाज और कप्तान स्टीव स्मिथ की कोहनी की चोट के कारण उनके इस सीरीज में खेलने पर सवाल उठने लगे. स्मिथ को यह चोट बिग बैश लीग के ट्रेनिंग सेशन के दौरान लगी थी, जिसके कारण उनकी फिटनेस को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है.ऑस्ट्रेलिया के उपकप्तान ट्रेविस हेड को श्रीलंका दौरे पर कप्तानी की जिम्मेदारी मिल सकती है. उन्हें पिछले साल ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया था और वे लगातार टीम का हिस्सा रहे हैं. हेड ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान पैट कमिंस के डिप्टी के तौर पर भी अपनी भूमिका निभाई थी.हालांकि ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड ने साफ किया है कि स्टीव स्मिथ इस सप्ताह के अंत तक दुबई में टीम से जुड़ जाएंगे. उनकी चोट के बारे में एक्सपर्ट्स से सलाह ली जा रही है और जल्द ही उनके टीम में शामिल होने पर अंतिम फैसला लिया जाएगा.ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट मैच 29 जनवरी से 2 फरवरी तक खेला जाएगा. इसके बाद दोनों के बीच दूसरा टेस्ट मैच 6 फरवरी से 10 फरवरी तक खेला जाना है. ये दोनों टेस्ट मैच गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जाने हैं.

एक समाज के तौर पर बड़ी हार...

सर्बिया में प्रदर्शन कर रहे युवाओं के समर्थन में आए जोकोविच

मेलबर्न, एजेंसी। टेनिस सुपरस्टार नोवाक जोकोविच ने रविवार को सर्बिया में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हजारों लोगों को अपना समर्थन भेजा और अपने हमवतन लोगों के खिलाफ हिंसा की निंदा की। मेलबर्न में ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा ले रहे जोकोविच ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वह यह दिखावा नहीं कर सकते कि कुछ नहीं हो रहा है। जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालिफाई करने के बाद कहा,मेरा समर्थन युवाओं, छात्रों और उन सभी को जाता है जो हमारे देश के भविष्य के मालिक हैं। सर्बिया के उत्तरी शहर नोवी साद में पिछले साल एक नवंबर को एक ट्रेन स्टेशन की छत गिरने के बाद छात्रों के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शनों की लहर चल रही है। उस हादसे मं 15 लोग मारे गए थे।इस मामले में पूर्व परिवहन मंत्री समेत 13 लोगों को आरोपी बनाया गया है। इस मामले पर 37 वर्षीय जोकोविच ने कहा, मैं यह दिखावा नहीं कर सकता कि सर्बिया में कुछ नहीं हो रहा है और निश्चित रूप से ये चीजें मुझे प्रभावित करती हैं। जोकोविच सर्बिया में कई लोगों के लिए एक राष्ट्रीय आदर्श हैं। वह 24 ग्रैंडस्लैम खिताब जीत चुके हैं और साथ ही 2024 ओलंपिक में स्वर्ण पदक भी अपने नाम किया था।जोकोविच ने विशेष रूप से एक घटना का उल्लेख किया जिसमें बेलग्रेड में एक चौराहे पर नाकाबंदी के दौरान गुरुवार को एक छात्र को एक कार ने टक्कर मार दी थी। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, यह छात्रों और युवाओं के खिलाफ हिंसा की एकमात्र स्थिति नहीं है। यह एक समाज के रूप में हमारे लिए, सामान्य रूप से सर्बियाई समाज के लिए एक बड़ी हार है।

युवा विदेश न जाकर सर्बिया में रहें-जोकोविच ने कहा, मैं चाहता हूं कि मेरे बच्चे सर्बिया में बड़े हों। मैं चाहूंगा कि जो युवा विदेश गए हैं वे सर्बिया लौट आएं और सर्बिया में रहें। जोकोविच का ऑस्ट्रेलियन ओपन में अब तक का सफर शानदार रहा है। उन्होंने अपने पहले मुकाबले में भारतीय मूल के नीशेष बसावारेड्डी को 4-6, 6-3, 6-4, 6-2 से हराया था।

क्वार्टर फाइनल में अल्कारेज से टक्कर-इसके बाद उन्होंने जे फारिया को 6-1, 7-6, 6-3, 6-2 से शिकस्त दी थी। फिर जोकोविच ने टी मचाच को 6-1, 6-4, 6-4 से हराया। चौथे दौर के मुकाबले में जोकोविच ने लेहेचका को 6-3, 6-4, 7-6 से शिकस्त दी।

भारत को 2036 ओलंपिक की मेजबानी के लिए तैयार करने की कार्य योजना तैयार, बोले खेल मंत्री मांडविया

भोपाल, एजेंसी। मांडविया ने कहा कि यह सिर्फ एक नारा नहीं है बल्कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक मजबूत कार्य योजना तैयार की गई है।

केंद्रीय खेल एवं युवा मामलों के मंत्री मनसुख मांडविया ने रविवार को कहा कि भारत को 2036 ओलंपिक की मेजबानी को तैयार करने के लिए खेल के माहौल को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत योजना तैयार की गई है। मांडविया ने यहां राज्य के पहले फिट इंडिया क्लब को लॉन्च करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया जिसमें मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे। मांडविया ने कहा, प्रधानमंत्री (नरेंद्र) मोदी जी ने कहा कि हम 2036 में ओलंपिक का आयोजन करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत को अगले दस वर्षों में अंतरराष्ट्रीय खेलों में एक से 10 की रैंकिंग हासिल करनी होगी। उन्होंने कहा, जब देश स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष मनाएगा तो हमें खेल क्षेत्र में एक से पांच के पैमाने पर खेल रैंकिंग में सुधार करना होगा। मांडविया ने कहा कि यह सिर्फ एक नारा नहीं है बल्कि इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए एक मजबूत कार्य योजना तैयार की गई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नौ से 15 वर्ष की आयु के लड़कों के लिए खेलो इंडिया स्कूल खेलो का आयोजन करके प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जा रही है और उन्हें तराशा जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवाओं को शामिल करके 2036 में भारत को दुनिया में शीर्ष दस में पहुंचाने के लिए खेल बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है। मांडविया ने कहा, हम एक व्यापक योजना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत बदल रहा है और आगे बढ़ रहा है। यादव और मांडविया ने उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाले मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों की किट का अनावरण किया। उन्होंने मध्य प्रदेश में 'खेलो बढ़ो अभियान' का शुभारंभ किया

और विभिन्न खेल बुनियादी ढांचे का उद्घाटन और भूमिपूजन किया। यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार युवाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि फिट इंडिया क्लब हर वर्ग और उम्र के खिलाड़ियों के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास की फिट इंडिया थीम का पालन करता है।

इस दिशा में न लगाएं नारियल का पेड़ बढ़ सकता है पारिवारिक क्लेश

वास्तु शास्त्र के अनुसार, नारियल के पेड़ का संबध शुक्र ग्रह से है। इसके अलावा, नारियल के पेड़ में भगवान विष्णु, भगवान शिव और ब्रह्मा का वास माना गया है। साथ ही, नारियल के पेड़ को कल्पवृक्ष भी कहते हैं।

घर में पेड़-पौधे लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि पेड़ या पौधों को घर में लगाने से सकारात्मकता बनी रहती है। हालांकि पेड़ या पौधों को लगाते समय वास्तु शास्त्र में बताये गए नियमों का ध्यान रखना जरूरी है, नहीं तो घर पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ सकता है।

वास्तु शास्त्र में ऐसे कई पेड़ बताए गए हैं जिन्हें घर के आंगन में उगाना लाभकारी होता है। इन्हीं में से एक है नारियल का पेड़। ज्योतिषाचार्य ने हमें बताया कि नारियल का पेड़ घर में लगाते समय दिशा का ज्ञान होना जरूरी है क्योंकि गलत दिशा में लगाया गया नारियल का पेड़ घर पर संकट ला सकता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि किस दिशा में नहीं लगाना चाहिए नारियल का पेड़।

कहां नहीं लगायें नारियल का पेड़?

वास्तु शास्त्र के अनुसार, नारियल के पेड़ का संबध शुक्र ग्रह से है। इसके अलावा, नारियल के पेड़ में भगवान विष्णु, भगवान शिव और ब्रह्मा का वास माना गया है। साथ ही, नारियल के पेड़ को कल्पवृक्ष भी कहते हैं। साथ ही, नारियल को माता लक्ष्मी का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में वास्तु शास्त्र कहता है कि नारियल के पेड़ को कभी भी घर की पूर्व या उत्तर दिशा में नहीं लगाना चाहिए। हालांकि ज्यादातर पौधों को इन्हीं दो दिशाओं में लगाना अच्छा मानते हैं लेकिन नारियल के पेड़ को इन दिशाओं में लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है। वास्तु शास्त्र कहता है कि नारियल के पेड़ को उत्तर दिशा में लगाने से धन की हानि होती है और घर में तंगी के हालत पैदा होते हैं। वहीं, पूर्व दिशा में लगाने से मान-सम्मान घटने लगता है और घर में पारिवारिक क्लेश का वातावरण जन्म लेता है। घर की शांति भंग होने लगती है।

नारियल के पेड़ की पूजा करने से लक्ष्मी नारायण होते हैं प्रसन्न

हिंदू धर्म में सभी पेड़-पौधे की पूजा विधिवत रूप से करने के बारे में विस्तार से बताया गया है। पेड़-पौधों में देवी-देवताओं का वास होता है।

हिंदू धर्म में नारियल का पेड़ को एक पवित्र वृक्ष माना जाता है। इसका धार्मिक महत्व इतना गहरा है कि इसका उपयोग पूजा-पाठ, अनुष्ठानों और शुभ कार्यों में व्यापक रूप से किया जाता है। नारियल को देवताओं को अर्पित किया जाता है और माना जाता है कि यह शुभता और समृद्धि लाता है। हिंदू धर्म में नारियल के पेड़ को देवताओं का प्रतीक माना जाता है। इसे भगवान शिव, विष्णु और लक्ष्मी सहित कई देवताओं को अर्पित किया जाता है। बता दें, नारियल को शुभता और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे नए घर में प्रवेश करते समय, विवाह के समय और अन्य शुभ अवसरों पर तोड़ा जाता है। नारियल को बुरी नजर और नकारात्मक ऊर्जा से बचाने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है। अब ऐसे में नारियल के पेड़ की पूजा किस विधि से करने से लाभ हो सकता है।

नारियल के पेड़ की पूजा किस विधि से करें?

- आप नारियल के पेड़ की पूजा के लिए किसी भी शुभ मुहूर्त का चुनाव कर सकते हैं।
- नारियल के पेड़ के नीचे एक साफ स्थान चुनें और वहां बैठ जाएं।
- एक आसन बिछाकर बैठें और पेड़ की ओर मुख करके बैठ जाएं।
- मुंह में जल लेकर तीन बार कुल्ला करें।
- पेड़ के तने पर जल चढ़ाएं।
- पेड़ के तने पर रोली से तिलक लगाएं।
- पेड़ के चारों ओर चावल अर्पित करें। उसके बाद विधिवत रूप से मंत्रों का उच्चारण करें।
- पेड़ के नीचे फूल और धूप जलाएं।
- आप कोई भी मंत्र जाप कर सकते हैं, जैसे कि ओम नमो भगवते वासुदेवाय या फिर आप माता लक्ष्मी के मंत्रों का जाप कर सकते हैं। इससे आपको लाभ हो सकता है।
- नारियल के पेड़ की 11 बार परिक्रमा लगाएं। उसके बाद भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के स्तोत्र का भी जाप कर सकते हैं। इससे आपको लाभ हो सकता है।

नारियल के पेड़ की पूजा करने का महत्व क्या है?

ऐसा माना जाता है कि नारियल के पेड़ की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी हो सकती है। नारियल के पेड़ की पूजा करने से रोग-दोष से भी छुटकारा मिल जाता है। इतना ही नहीं, नारियल के पेड़ की पूजा करने से आर्थिक परेशानियों से भी छुटकारा मिल जाता है और व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है। इसके अलावा नारियल के पेड़ की पूजा करने से सुख-शांति का भी वातावरण बना रहता है।

क्या कहते आपके सितारे

मेष

मेष- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। परिवार में किसी काम को लेकर विचार-विमर्श हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको अपनी राय सोच समझकर देनी होगी। आपको अपने अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा। आप यदि किसी काम को लंबे समय से करने के प्रयास कर रहे थे, तो आपके वह प्रयास सफल रहेंगे। आपकी माताजी आपको कोई जिम्मेदारी दे सकती हैं, जिसे आपको पूरी अवश्य करना होगा।

वृषभ

वृषभ- आज का दिन आपके लिए उत्तम रूप से फलदायक रहने वाला है। परिवार के सदस्यों के साथ आप आनंदमय समय व्यतीत करेंगे। आपको यदि कोई समस्या चली रही थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी। धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी खूब रुचि रहेगी। व्यापार में आपको अच्छा लाभ देखने को मिल सकता है। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है।

मिथुन

मिथुन- आज का दिन आपके लिए कुछ टेंशन भरा रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलने की आवश्यकता है। अपने बढ़ते खर्चों को कंट्रोल करने की कोशिश करें। आप किसी से धन उधार सोच समझकर लें। आपको अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। संतान की तरक्की में आ रही बाधाएं दूर होंगी। आपको कार्यक्षेत्र में कोई पुरस्कार मिल सकता है।

कर्क

कर्क- आज का दिन आपके लिए अक्समात लाभ दिलाने वाला रहेगा। यदि आप किसी नए वाहन की खरीदारी करना चाहते हैं, तो वह आपके लिए अच्छी रहेगी। आपका डूबा हुआ धन भी आपको मिल सकता है। कोई काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह पूरा होगा। आपको शीघ्रता और भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा। यदि आपको कोई समस्या चली आ रही थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी।

सिंह

सिंह- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। कारोबार में आपको कोई अच्छा अवसर हाथ लग सकता है। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा होगा। आपको अपनी आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलने की आवश्यकता है। खानपान पर आपको पूरा ध्यान देना होगा।

कन्या

कन्या- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। सरकारी योजनाओं का आपको पूरा लाभ मिलेगा। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आपको पढ़ाई लिखाई पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है, जो जातक नौकरी को लेकर परेशान चल रहे हैं, उन्हें आज कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती हैं। आप अपने कामों को कल पर टालने की कोशिश ना करें।

तुला

तुला- आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। आपको कोई बड़ी उपलब्धि हासिल हो सकती है। जीवनसाथी के साथ आपको तालमेल बनाकर चलने की आवश्यकता है। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा होगा। आपकी किसी नए काम के प्रति रुचि जागृत हो सकती है। प्रॉपर्टी में आपको अच्छा लाभ मिल सकता है। आपका कोई पुराना लेनदेन उभर सकता है।

वृश्चिक

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपको छुटपुट लाभ की योजनाओं पर ध्यान देना होगा। पारिवारिक मामलों में आपको थोड़ा ध्यान देने की आवश्यकता है। यदि आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो, तो उसमें अपनी बात लोगों के सामने अवश्य रखें। आपको अपने पिताजी की कोई बात बुरी लग सकती है। आपका कोई विरोधी आपको परेशान करने की कोशिश करेगा। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें।

धनु

धनु- आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामला यदि लंबे समय से लटका हुआ था, तो वह भी फाइनल हो सकता है। आपको किसी बात को लेकर टेंशन लेने की आवश्यकता नहीं है। संतान को किसी नई नौकरी के प्रयास भी बेहतर रहेंगे।

मकर

मकर- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपकी कोई डील यदि लंबे समय से अटकी हुई थी, तो वह फाइनल हो सकती है। आपको बिजनेस में पार्टनरशिप थोड़ा सोच समझकर करने की आवश्यकता है। आप किसी से कोई धन का लेनदेन सोच समझकर करें। पिताजी की सलाह आपके बिजनेस के लिए कारगर सिद्ध होगी और आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी।

कुंभ

कुंभ- आज का दिन आपके लिए सावधान रहने के लिए रहेगा। आपको किसी अजनबी से कोई जरूरी जानकारी शेयर नहीं करनी है, नहीं तो वह फायदा उठा सकते हैं। गृहस्थ जीवन जी रहे लोगों को धोखा मिलने की संभावना है, इसलिए साथी पर ज्यादा भरोसा ना करें। आपको अपनी सेहत पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है। आर्थिक मामलों में आपको सावधान रहना होगा। आप कोई जोखिम न उठाएं, नहीं तो समस्या हो सकती है।

मीन

मीन- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आपको अपने किसी परिवार के सदस्य से कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। पारिवारिक समस्याओं से भी आपको काफी हद तक छुटकारा मिलेगा। आपकी कोई प्रॉपर्टी संबंधित डील फाइनल हो सकती है, जो आपको खुशी देगी। आपने किसी से कोई वादा किया था, तो उसे भी आप आसानी से पूरा कर पाएंगे। आपको किसी काम को लेकर ज्यादा परेशान होने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि आपके काम आसानी से पूरे होंगे, जो आपको खुशी देंगे।

G. KACHHOMAL
ALL KINDS OF SWEETS & SNACKS
WE ALSO ACCEPT PARTY ORDERS
Raju K.Panjwani - 2531293, 3211365
Rakesh K. Panjwani - 9890359000
Shop No. 132, Opp. Mat Mandir, Ulhasnagar-5.

T.S.Chandwani
SHREE Rajaveer FOOD PRODUCTS
Specialist In :- Bread, Cake & Biscuits
Fact.: Amar Dye Rd., Near Shahad Cabin, Ulhasnagar-1. Tel. 2546079
Office : Baba Sai Nagar, Block A252/504, Ulhasnagar-4. Tel. 2527034

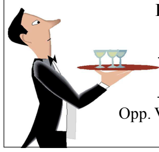

Hotel Ambrosia
Dayanand Shetty
2713001, 2712002, 2712003, 2564257
Opp. Vithalwadi Rly, Station (W), Ulhasnagar-421003.

Hotel VEEJAYS
Lodging and Boarding
24 Hours Room service available
Ulhasnagar Station Road, Burner Galli, Sukhdev Compound, Ulhasnagar-3
Tel. : 02512570009
Mob. : 07083880259

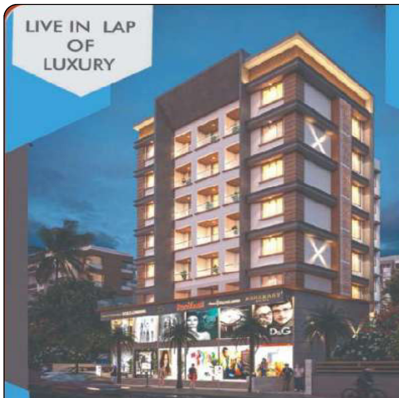

LIVE IN LAP OF LUXURY
RAMDEVI TOWER
MAHARERA- P51700076849
1BHK & 2BHK & COMMERCIAL SHOPS AVAILABLE
Contact:
7770003478
7770003479
Gmail: ramdevitower2024@gmail.com
SITE ADDRESS :
B. K No- 1150,
ROOM NO. 3,4,5,6
POWAI CHOWK,
ULHASNAGAR - 421003.
DIST- THANE

प्रकाशक, मुद्रक, मालिक संपादक श्री टीकम (टोनी) जे. लालवानी ने जय श्रीकृष्णा प्रिंटिंग प्रेस से छपवाकर मातोश्री मोहिनी बाई पैलेस, बैरक नंबर 427, रूम नंबर 15, निरंकारी हॉल के पीछे, उल्हासनगर-421001, जिला ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया।
RNI No. 68359/93,

(सभी प्रसंगों का न्याय क्षेत्र उल्हासनगर रहेगा)
दैनिक 'धनुषधारी' में छपने वाली विज्ञापनों की सत्यतता की जिम्मेदारी हमारी अखबार प्रबंधन की नही है। विज्ञापन में छपने वाले उत्पाद खरीदने, बेचने या किसी भी व्यवसाय या नौकरी लेने-या देने की जिम्मेदारी पाठक की खुद की रहेगी। -प्रबंधन।

Makhija Construction
25 YEARS Experience
BUILDING QUALITY TRUST
Email : makhijaconstruction@gmail.com, makhijaconstruction@hotmail.com
Hollywood Apartment, Shop No. 2 & 3, Opp., ICICI Bank, Near Chopra Court, Ulhasnagar-3 Ph.0251-2563555

मुंबई में तेजी से चल रहा बुलेट ट्रेन का काम
लोगों को इससे बहुत लाभ होगा- रेल मंत्री

मुंबई (नि.स.)। केंद्र सरकार की महत्वकांशी परियोजना बुलेट ट्रेन का काम मुंबई में तेजी से चल रहा है और टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) अगले तीन महीने में जर्मनी से मुंबई आ जाएगी। इससे सुरंग निर्माण कार्य में और तेजी आएगी। इस सुरंग से दोनों ओर से बुलेट ट्रेनें एक साथ 250 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकेंगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के काम का निरीक्षण किया। बुलेट ट्रेन परियोजना का 21 किलोमीटर का मार्ग एक सुरंग से होकर गुजरेगा। इसकी सात किलोमीटर की पट्टी खाड़ी के नीचे है। 21 किलोमीटर लम्बी सुरंग में से 16 किलोमीटर का निर्माण टीबीएम का उपयोग करके किया जाएगा तथा 5 किलोमीटर सुरंग का निर्माण न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग विधि का उपयोग करके किया जाएगा। सुरंग लाइनिंग के लिए महापे में एक सेगमेंट कास्टिंग यार्ड शुरू किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि पूरी सुरंग के लिए आवश्यक 77,000 सेगमेंट का निर्माण यहीं किया जाएगा। अधिकारी ने यह भी बताया कि कास्टिंग यार्ड में परिचालन को स्वचालित और मशीनीकृत करने के लिए विभिन्न क्रेन, गैन्ट्री और मशीनों का उपयोग किया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों को बताया कि महाराष्ट्र में बुलेट ट्रेन सुरंग के अंदर दोनों दिशाओं में एक साथ गुजरने वाली ट्रेनों के लिए 250 किलोमीटर प्रति घंटे की गति बनाए रखना संभव होगा। परियोजना पूरी हो जाने पर लोगों को इससे बहुत लाभ होगा।

अक्षय शिंदे का एनकाउंटर, पांच पुलिसकर्मी जिम्मेदार, दर्ज होगी एफआईआर

मुंबई (नि.स.)। बदलापुर के एक नामचीन स्कुल में दो मासूम बच्चियों के यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे के एनकाउंटर के लिए पांच पुलिसकर्मियों को जिम्मेदार ठहराया गया है। ठाणे मजिस्ट्रेट की जांच रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है। यह रिपोर्ट सोमवार को एक सीलबंद लिफाफे में बॉम्बे हाईकोर्ट को सौंपी गई। इस रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस स्थिति को उचित ढंग से संभाल सकती थी। उनके बल प्रयोग को उचित नहीं ठहराया जा सकता। इस रिपोर्ट के बाद बॉम्बे हाई कोर्ट ने निर्देश दिया है कि पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए।

आपको बता दें कि अक्षय शिंदे को पिछले साल सितंबर महीने में एक मुठभेड़ में मार गिराया गया था। उस समय वहां पांच पुलिस अधिकारी मौजूद थे। अक्षय शिंदे ठाणे के मुंब्रा बाईपास पर पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था। मुंब्रा बाईपास पर हुई यह मुठभेड़ विवादों में घिर गई। इस मुठभेड़ के दौरान कुल चार गोलियां चलीं। तीन राउंड आरोपी अक्षय शिंदे ने फायर किए। पुलिस ने दावा किया कि एसआईटी टीम के संजय शिंदे ने आत्मरक्षा में अक्षय शिंदे पर गोली चलाई और मुठभेड़ में अक्षय शिंदे की मौत हो गई। सोमवार को ठाणे मजिस्ट्रेट ने इस मामले में अपनी जांच रिपोर्ट बॉम्बे हाई कोर्ट को सौंप दी। शिंदे के पिता अन्ना शिंदे ने याचिका में दावा किया है कि उनके बेटे को पुलिस ने फर्जी मुठभेड़ में मार डाला।

अगस्त 2024 में अक्षय शिंदे (24) को बदलापुर के एक स्कूल में दो नाबालिग बच्चियों के यौन उत्पीड़न के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। सितंबर में एक मुठभेड़ में वह मारा गया। मजिस्ट्रेट इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि इस मामले में आरोपी की मौत के लिए पांच पुलिस अधिकारी जिम्मेदार थे। पीठ ने कहा कि अब इन पांच पुलिसकर्मियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और उसके बाद जांच की जाएगी। मुठभेड़ के दौरान इस्तेमाल की गई पिस्तौल पर शिंदे के उंगलियों के निशान नहीं मिले। इसके अलावा, गोली का कोई अवशेष भी नहीं मिला। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे पता चलता है कि बल का प्रयोग अनुचित था। सरकारी अभियोजकों ने अदालत को सूचित किया है कि वे कानून के अनुसार उनके खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगे। इन पुलिस अधिकारियों के नाम पीआई संजय शिंदे, सब-इंस्पेक्टर नीलेश मोरे, हरीश तावड़े और अभिजीत मोरे हैं। इस मामले में अगली सुनवाई दो सप्ताह में होगी।

विशेष नारकोटिक्स दस्ते ने किया 2180 ग्राम गांजा जब्त, तीन गिरफ्तार

कल्याण (नि.स.)। कल्याण परिमंडल 3 के पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे ने नशे के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का आदेश दिया है। जिसके बाद पुलिस भी एक्शन मोड पर है। पुलिस उपायुक्त अतुल झेंडे के मार्गदर्शन में कल्याण में विशेष नारकोटिक्स दस्ते ने नशेड़ियों और ड्रग डीलरों पर जोरदार कार्रवाई शुरू की है। खबर है कि दस्ते ने कल्याण पश्चिम के दुर्गाडी इलाके में गांजा बेचने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार कर उनके पास से 2180 ग्राम गांजा जब्त किया है। इसकी कीमत 32 हजार रुपया है।

बताया गया है कि कल्याण पश्चिम में दुर्गाडी में सीएनजी पंप के पास सार्वजनिक रोड पर, 23 वर्षीय जिशान अख्तर शेख, 52 वर्षीय नितिन हिम्मतभाई ओझा और भिवंडी की परवीन फिरोज शेख रिक्शा में बिक्री के लिए 32,000 रुपये मूल्य का 2180 ग्राम गांजा लेकर आए थे, जिन्हें पुलिस ने पकड़ा और गांजा जब्त किया। इस अपराध में 1 लाख 7 हजार रुपए मूल्य का रिक्शा भी पुलिस ने जब्त कर लिया। इस संबंध में खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और आगे की जाँच की जा रही है।

टोरेस घोटाला मामले में तीन आरोपियों को न्यायिक हिरासत

मुंबई (नि.स.)। मुंबई के बहुचर्चित टोरेस घोटाला मामले में तीन आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वैलेंटिना कुमार, तानिया और सर्वेश सुर्वे को पुलिस रिमांड के लिए मुंबई सत्र न्यायालय में पेश किया गया। इस सुनवाई के दौरान अदालत ने टिप्पणियां दर्ज कीं और कहा कि आगे रिमांड की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि जांच पूरी हो चुकी है। इसके बाद सत्र न्यायालय ने टोरेस घोटाला मामले में सभी संदिग्धों को 30 जनवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस बीच, आरोपी वेलेंटीना कुमार और सर्वेश सुर्वे के वकीलों ने कहा कि वे अब जमानत के लिए आवेदन दायर करेंगे।

उधर टोरेस भ्रष्टाचार मामले के दायरे को ध्यान में रखते हुए, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक अलग मामला दर्ज किया था और मुंबई पुलिस द्वारा दर्ज आरोपों के आधार पर जांच शुरू की है। बता दें कि इस घोटाले में ठगे गए 2,000 से अधिक लोगों ने अबतक मुंबई पुलिस से संपर्क किया है। यह घोटाला करोड़ों रूपये का बताया जा रहा है।

गृह मंत्रालय ने इस वर्ष 67 संगठनों को एफसीआरए प्रमाणपत्र जारी किए

मुंबई (नि.स.)। गृह मंत्रालय ने इस वर्ष अब तक कुल 67 संस्थाओं को विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) के तहत प्रमाण पत्र जारी किए हैं। इनमें से 10 संस्थान महाराष्ट्र से हैं। मंत्रालय के अनुसार, ये संस्थान सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, धार्मिक और आर्थिक गतिविधियों में लगे हुए हैं। इससे देश भर में एक बड़े समुदाय को लाभ मिल रहा है। गृह मंत्रालय द्वारा एफसीआरए के तहत अनुमति प्राप्त संगठनों में मुंबई की महाराष्ट्र लोकहित सेवा मंडल, अंजेज चैरिटेबल ट्रस्ट, प्रोत्साहित फाउंडेशन, मंचिबा लालजीभाई चैरिटेबल ट्रस्ट, अहान फाउंडेशन, ग्रामीण शिक्षा समाज संस्था जांभुलणी, नागपुर में ग्राम सेवा संघ, कामगांव में अल्लाह की दीन बहुउद्देशीय शिक्षा सोसायटी, अहमदनगर के आपला गांव फाउंडेशन और आश्रय संस्था का समावेश है। मालूम हो कि पिछले वर्ष गृह मंत्रालय ने महाराष्ट्र में 56 ऐसी संस्थाओं को एफसीआरए प्रमाणपत्र प्रदान किये थे। इस वर्ष महाराष्ट्र के 10 संस्थानों सहित देश के 67 संस्थानों को एफसीआरए प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं।

- क्या है एफसीआरए?

एफसीआरए एक भारतीय कानून है जो व्यक्तियों, कंपनियों और संस्थाओं द्वारा विदेशी धन की स्वीकृति और उपयोग को नियंत्रित करता है। एफसीआरए कानून यह सुनिश्चित करने के लिए है कि विदेशी धन का उपयोग उचित और पारदर्शी तरीके से किया जाए तथा इससे भारत की संप्रभुता, अखंडता या आंतरिक सुरक्षा को कोई खतरा न हो।

लाडली बहनों को 2,100 रुपये देने का वादा पूरा होने की संभावना नहीं!

मुंबई (नि.स.)। भाजपा महायुति ने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को 1500 के बजाए 2,100 रुपये देने का वादा किया था। लेकिन इस वर्ष के बजट में यह वादा पूरा होने की संभावना नहीं है। क्योंकि विभाग ने इसके लिए ना तो कोई तैयारी की है और न ही कोई प्रस्ताव तैयार कर वित्त विभाग को भेजा है। महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अदिति तटकरे ने भी इसकी पुष्टि की है। उन्होंने कहा, 'वित्तीय बोझ का अध्ययन करने के बाद 2,100 रुपये का निर्णय लिया जाएगा।' मंत्री अदिति तटकरे ने यह स्पष्ट किया कि, 'चूंकि महायुति के घोषणापत्र में 2,100 रुपये देने का वादा किया गया था, इसलिए इसे समय के साथ लागू किया जाएगा। हालांकि, विभाग ने इस साल के बजट में इस वृद्धि को लागू करने की अभी तक तैयारी नहीं की है और दोनों उपमुख्यमंत्रियों ने ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया है।' महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अदिति तटकरे कहती हैं कि जब लाडली बहिन योजना शुरू की गई थी तो वित्त विभाग ने तीन-चार महीने पहले ही इसकी तैयारियां शुरू कर दी थीं। 1500 प्रति माह से बढ़ाकर 2,100 रुपये प्रति माह करने के लिए भी यही तैयारी करनी होगी। हालांकि, मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री की ओर से अभी तक विभाग को कोई निर्देश नहीं मिले हैं।

पिछले बजट सत्र में हुई थी लाडली बहिन योजना की घोषणा

लाडली बहिन योजना की घोषणा उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजीत पवार ने पिछले बजट सत्र में की थी। इसके तहत प्रति माह महिलाओं के बैंक खाते में 1500 रुपया जमा किया जाने लगा। विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा महायुति ने राज्य में इस योजना को लागू किया है, जिसके तहत ढाई करोड़ से अधिक महिलाओं को 1,500 रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। इसके लिए 46 हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया। इस बीच हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान लाडली बहना योजना के तहत महिलाओं को 1500 के बजाए 2,100 रुपये प्रति माह देने का वादा किया गया था। उम्मीद थी कि महायुति अपने घोषणापत्र में किए गए वादे के अनुसार नए बजट में 2,100 रुपये मुहैया कराएगी, लेकिन इस बजट में महायुति सरकार ने इस बात का ध्यान रखा है कि आर्थिक बोझ राज्य के खजाने पर और न बढ़े।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that Pankaj Das Flat no. 507, B Wing Sai Asharam Apt,Nr Jhulelal School Baba Befikri Chowk Ulhasnagar Thane, Maharashtra-421002, MOBILE NO - 8855887342 is Applying to the Collector, to the Secretary, to the Government of India in the Ministry of Home Affairs For naturalization and that any person who known any reason why naturalization should not be granted should send a written signed statement of the facts to the said Collector or Secretary.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given that 1) Tiresh Kumar 2) Aneeta Raj Flat no. 201 Royal Residency Complex Near Madhuban Goal Maidan, Ulhasnagar, Thane, Maharashtra -421002 MOBILE NO-9975196670. is Applying to the Collector, to the Secretary, to the Government of India in the Ministry of Home Affairs For naturalization and that any person who known any reason why naturalization should not be granted should send a written signed statement of the facts to the said Collector or Secretary.

PUBLIC NOTICE

This is to inform to the general public that my client intends to purchase a commercial property known as Shop No. 01, Ground floor, Area 450 Sq.Feets., which is constructed on Government plot situated Opp. Block No. A-188, Near Hari Om Bakery, Opp. Shreeram Tower, Five Shops Area, Ulhasnagar-421 004, Dist. Thane, Area Adm. from its present owner Smt. Kajal Sanjay Gangaramani.

That if any person/s has/have any kind of right, interest, share, claim, of whatsoever nature over the abovesaid property by way of any nature including all claims by way of sale, exchange, mortgage, gift, possession, license, lease, liens, easements, or otherwise towards abovesaid shops and its owner and her husband Shri Sanjay Gangaramani & her Father in Law Shri Inderlal Gangaramani, of whatsoever are hereby require to make the same in writing to the undersigned within 07 (Seven) days from publishing of this notice, thereafter sale shall be completed without reference to such claim and same objection which may be raised after above said period shall be considered as waived.

Sd/-
R. T. RAMRAKHIYANI
Advocate High Court
201, Yash Cottage, Blk No. A-244/488,
Nr. Satya Sai Niketan School, Ulhasnagar - 421004.
9422667400 / 9320667400

महाराष्ट्र में अब केवल 400 सिनेमाघर बचे
सब्सिडी नहीं मिली तो बंद कर दिए जाएंगे सिनेमाघर

मुंबई (नि.स.)। महाराष्ट्र में जहां कभी 1,400 सिनेमाघर थे, अब 1,000 सिनेमाघर बंद हो चुके हैं तथा केवल 400 सिनेमाघर ही चल रहे हैं। इनमें से आधे सिनेमाघर भी उल्टी गिनती कर रहे हैं। इसलिए सरकार को सिनेमाघरों को सब्सिडी देनी चाहिए, अन्यथा, थिएटर मालिकों ने चेतावनी दी है कि वे थिएटर बंद कर देंगे। सिनेमा फिल्मों को दर्शकों तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। पहले सिनेमाघर में जाकर फिल्म देखने का मजा ही कुछ और था लेकिन समय बदला और टीवी के बाद वीसीआर आ गया। अब इंटरनेट की बदौलत कोई भी फिल्म सिर्फ एक क्लिक पर देखी जा सकती है। एकल स्क्रीन वाले सिनेमाघरों के साथ प्रतिस्पर्धा में मल्टीप्लेक्स थिएटरों के उभरने से एकल स्क्रीन वाले सिनेमाघरों का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है।

पहले भारत में 14,000 सिनेमाघर थे। इनमें से पांच हजार सिनेमाघर बंद हो चुके हैं। अब केवल 9,000 सिंगल स्क्रीन थिएटर बचे हैं। देश की कुल जनसंख्या को देखते हुए यह संख्या बहुत कम है। जब मल्टीप्लेक्स शुरू हुए तो सरकार ने उन्हें भारी रियायतें दीं। उनका मनोरंजन कर पांच साल के लिए माफ कर दिया गया। इसके परिणामस्वरूप मल्टीप्लेक्स थिएटरों को पांच वर्षों में लगभग पांच करोड़ रुपये का लाभ हुआ। दूसरी ओर, सिंगल स्क्रीन थिएटर मालिक मनोरंजन कर, जीएसटी, पानी और बिजली के बिल, वेतन और रखरखाव का भुगतान करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। चूंकि सरकार का आदेश है कि किसी भी हालत में सिनेमाघर बंद नहीं किए जाएंगे, इसलिए सिनेमाघर मालिकों को यह आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई, बिजली के बढ़ते दाम और दर्शकों की कम प्रतिक्रिया के कारण सिनेमाघर संचालकों की स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। सिंगल स्क्रीन थिएटरों पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। इसलिए सरकार से सिंगल स्क्रीन थिएटरों को तुरंत सब्सिडी देने की मांग जोर पकड़ रही है।

नहीं तो बंद कर देंगे थिएटर- दातार

सरकार को सिंगल स्क्रीन थिएटरों के लिए सब्सिडी की घोषणा करनी चाहिए या फिर सिनेमाघर परिसर में अन्य व्यवसाय चलाने की अनुमति दे दी जाए अन्यथा अगले एक-दो साल में महाराष्ट्र में एक भी सिनेमाघर नहीं बचेगा। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस को एक निवेदन दिया गया है। मैं दो महीने इंतजार करूंगा जिसके बाद राज्य के सभी सिनेमाघर बंद कर दिए जाएंगे, यह चेतावनी सिनेमा ओनर्स अँड एक्झिबिटर्स असोसिएशन ऑफ इंडिया के महाराष्ट्र अध्यक्ष नितिन दातार ने दी।

बिजली बिल से मुंबईकरों को मिलेगी राहत
अडानी, टाटा की ओर से मूल्य कटौती का प्रस्ताव!

मुंबई (नि.स.)। मुंबई के आवासीय बिजली उपभोक्ताओं को अप्रैल से मार्च के बीच कम बिजली दरों का लाभ मिलने की संभावना है। दरअसल दो बिजली वितरण कंपनियों ने कीमतों में कटौती का प्रस्ताव दिया है, जबकि एक कंपनी ने कीमतों में मामूली औसत वृद्धि का प्रस्ताव रखा है। फरवरी में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सार्वजनिक सुनवाई होगी। मालूम हो कि अडानी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड, टाटा पावर और बेस्ट एंटरप्राइजेज मुंबई में 5 मिलियन से अधिक ग्राहकों को बिजली वितरित करते हैं। इन ग्राहकों के लिए बिजली की दरें हर पांच साल में तय की जाती हैं। तीसरे वर्ष के बाद, मध्यावधि में इसकी पुनः समीक्षा की जाती है। तदनुसार, वर्तमान दरें 31 मार्च 2025 तक वैध हैं।

तीनों कंपनियों ने अगले पांच वर्षों (2025-26 से 2029-30) के लिए अपने टैरिफ प्रस्ताव महाराष्ट्र विद्युत नियामक आयोग को सौंप दिए हैं। घरेलू उपभोक्ताओं के लिए, शॉर्ट-सर्किट (आवासीय) श्रेणी में 0 से 100, 101 से 300, 301 से 500, तथा 501 और उससे अधिक की इकाई विद्युत खपत श्रेणियां हैं। अडानी इलेक्ट्रिसिटी ने 2025-26 के लिए क्रमशः 9, 8 और 19 प्रतिशत (अंतिम दो श्रेणियों के लिए एक समान कटौती) की टैरिफ कटौती का प्रस्ताव दिया है, जबकि टाटा पावर ने क्रमशः 4, 2, 15 और 12 प्रतिशत की टैरिफ कटौती का प्रस्ताव दिया है। हालाँकि, बेस्ट पहल ने 2025-26 के लिए सभी श्रेणियों में एक प्रतिशत की औसत मूल्य वृद्धि का प्रस्ताव किया है। महाराष्ट्र विद्युत विनियामक आयोग इन प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए सार्वजनिक सुनवाई आयोजित करेगा। इसके लिए आयोग को suggests@merc.gov.in पर आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा, आप आयोग की वेबसाइट www.merc.gov.in पर भी जा सकते हैं।

घर बैठे पैसे कमाने का झांसा देकर लाखों की ठगी, तीन ठगों के विरुद्ध मामला दर्ज

भिवंडी (नि.सं.)। भिवंडी में ऑनलाइन ठगी की घटनाएं दिनों-दिन बढ़ती जा रही हैं. ऐसी ही एक अन्य ठगी की घटना के तहत तीन लोगों ने आपस में मिलीभगत करके मोबाइल एप टेलीग्राम एवं व्हाट्सएप के माध्यम से घर बैठे पैसे कमाने का लालच देकर एक व्यक्ति से 2.5 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी कर ली। ठगी का शिकार हुए व्यक्ति की शिकायत पर कोनगांव पुलिस ने प्रिया शर्मा, मिताली गांगुली एवं विक्रम सहित तीनो लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है. पुलिस के अनुसार प्रिया शर्मा मोबाइल वाट्सअप से और मिताली गांगुली एवं विक्रम टेलीग्राम से लोगों को घर बैठे पैसा कमाने का लालच देते थे।

पुलिस के मुताबिक प्रिया शर्मा, मिताली गांगुली एवं विक्रम ने आपस में मिलीभगत करके सोशल मीडिया के माध्य से 15 जनवरी को भिवंडी-ठाणे बाईपास पर राजनोली नाका स्थित टाटा आमंत्रा इमारत में रहने वाले मुसर्रत मदनी के मोबाइल पर एक सर्वे मैसेज भेजा, जिसमें रेटिंग देकर उन्हें घर बैठे पैसे कमाने का लालच दिया गया. शुरुआत में मुसर्रत मदनी को रेटिंग के बदले कुछ राशि का भुगतान भी कर दिया गया. इसके बाद मुसर्रत मदनी को अधिक पैसे का लालच देकर तथा सर्वे में पैसा लगाने के बारे कहकर उनसे 1.79 लाख रुपए जमा कराये गये, लेकिन मूल राशि या रिफंड में से कुछ भी नहीं दिया गया इस तरह उनसे ऑनलाइन ठगी की गयी. ठगे जाने का एहसास होने के बाद मुसर्रत मदनी ने कोनगांव पुलिस स्टेशन में तीनों लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज करा दिया. पुलिस ने सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 66(डी) के तहत तीनों लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच पीएसआई राजेश डोंगरे कर रहे हैं।

मुंबई के ट्राइडेंट होटल में महिला का शव मिलने से मचा हड़कंप

मुंबई (नि.स.)। दक्षिण मुंबई मुंबई के मरीन ड्राइव स्थित ट्राइडेंट होटल की 27वीं मंजिल पर स्थित एक कमरे में एक 60 साल की महिला का शव मिलने से हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि मृतक महिला का नाम विनती मेहतानी है। घटना की सूचना मिलने पर मरीन ड्राइव पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने इस मामले में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है। मरीन ड्राइव पुलिस आगे की जांच कर रही है। बताया गया है कि यह महिला 6 जनवरी से होटल की 27वीं मंजिल पर स्थित कमरे में अकेली रह रही थी। कमरे की सफाई करने गए कर्मचारी की बात पर जब उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी तो कर्मचारी को संदेह हुआ। जैसे ही उसने कमरे का दरवाजा खोला तो अंदर महिला का शव मिला। यह घटना रविवार शाम को हुई और मुंबई पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि महिला की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई या उसने आत्महत्या की।

स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर के विरूद्ध लोगों में गुस्सा
पूर्व विधायक ने दी आंदोलन की चेतावनी

नवी मुंबई (सनी पांडेय)। स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर नहीं लगाने के वायदे के बावजूद नवी मुंबई शहर में नागरिकों को किसी भी प्रकार की जानकारी दिए बिना, नागरिको के विरोध को अनदेखा कर बिजली आपूर्ति करने वाली सरकारी महावितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर लगाए जा रहे हैं, जिसको लेकर लोगों में रोष है. लोगों के आक्रोश के देखते हुए अब इस मुद्दे पर राजनीति गरमाने लगी है. इस मसले पर पूर्व विधायक संदीप नाईक ने चेतावनी दी है कि, "प्रीपेड बिजली मीटर लगाने का काम तुरंत रोका जाये, अन्यथा वे लोकतांत्रिक तरीके से इसका कड़ा विरोध करेंगे।" उन्होंने इस संबंध में महावितरण के वाशी डिवीजन अधीक्षण अभियंता को पत्र भी लिखा है।

पूर्व विधायक संदीप नाईक ने अपने पत्र में कहा कि, विद्युत अधिनियम के अनुसार, उपभोक्ताओं को यह चुनने का अधिकार है कि वे कौन सा मीटर लगाना चाहते हैं. लेकिन नवी मुंबई के बिजली उपभोक्ताओं की अनुमति के बिना महावितरण उनके पुराने मीटरों को स्मार्ट प्रीपेड मीटर से बदल रहा है. नागरिकों ने इस अघोषित प्रीपेड मीटर आदेश का कड़ा विरोध किया है. इसलिए जब तक नागरिक इसके लिए तैयार नहीं होते, तब तक प्रीपेड मीटर नहीं लगाए जाए।' उन्होंने कहा कि, स्मार्ट प्रीपेड मीटर के कारण दोहरी बिलिंग और भुगतान के बाद भी बिजली आपूर्ति बहाल न होने जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं. शहर में कई बिजली उपभोक्ताओं के पास पहले भुगतान करके बिजली उपयोग करने की वित्तीय क्षमता नहीं है. पोस्टपेड उपभोक्ताओं को अपने बिजली बिल का भुगतान करने के लिए कुछ दिन का समय मिलता है. जिसके कारण वे बिलों का भुगतान करने के लिए धन जमा कर पाते है।

हालांकि प्रीपेड मीटर में ऐसे साधारण उपभोक्ताओं को पहले बिजली का बिल भरना पड़ेगा, तब ही उन्हें बिजली मिलेगी और जैसे रिचार्ज खत्म होगा, बिजली आपूर्ति बंद हो जायेगी. यदि प्रीपेड मीटरों का रिचार्ज देर रात खत्म हो गया और लोग प्रीपेड करने में समक्ष नहीं हुए तो ऐसे नागरिकों को अंधेरे में बैठना पड़ेगा. प्रीपेड मीटर के कारण ऐसी कई समस्याएं उत्पन्न होने वाली हैं. इन सभी पहलुओं को गंभीरता से ध्यान में रखते हुए, महावितरण द्वारा प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगाने का जो काम शुरू किया है, वह उपभोक्ताओं के हित में नहीं, इसलिए इसे तत्काल बंद करने की मांग पूर्व विधायक संदीप नाईक ने की है और चेतावनी दी कि यदि जनभावनाओं को ध्यान में रखे बिना प्रीपेड मीटर लगाने का कार्य जारी रहा तो लोकतांत्रिक तरीकों से कड़ा विरोध करना पड़ेगा।

हर हफ्ते सामने आते हैं 18 नए 'घोटाले'

मुंबई (नि.स.)। भारत में मल्टी लेवल मार्केटिंग के नाम पर हर हफ्ते 17 से 18 से अधिक निवेश और सदस्यता घोटाले हो रहे हैं। इसके जरिए लाखों लोगों के साथ ठगी की वरदात को अंजाम दिया जाता है। इसमें निवेशकों को करोड़ों रुपए गंवाने के बाद सिर्फ अफसोस ही होता है। यह बात प्रकाश में आई है कि देश में करीब 30,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी वाली योजनाएं चल रही हैं, जिनका पर्दाफाश नहीं हुआ है और कुछ हद तक जांच चल रही है।

दरअसल स्ट्रैटेजी इंडिया ने 2007 से भारत में स्थापित 14,000 से अधिक एमएलएम (मल्टी-लेवल मार्केटिंग) योजनाओं पर जानकारी एकत्र की और उसका विश्लेषण किया। तब से अब तक 4,000 से अधिक योजनाओं में धोखाधड़ी का खुलासा हो चुका है और इस संगठन द्वारा अलर्ट जारी किया जा चुका है। संगठन ने कहा कि इससे हमें अवैध, धोखाधड़ी वाली योजनाओं की पहचान करने में मदद मिली है। गेन बिटकॉइन और आईएक्स ग्लोबल जैसी योजनाओं के साथ-साथ हाल ही में मुंबई में उजागर हुए टोरेस घोटाले को संगठन की 'घोटाला चेतावनी सूची' में बहुत पहले ही शामिल कर लिया गया था। स्ट्रैटेजी इंडिया के प्रमुख प्रांजल आर.डैनियल कहते हैं कि किसी योजना को 'घोटाला' के रूप में पहचानने के लिए, सभी को उस योजना की कुछ जानकारी की जांच करनी होगी। इससे पहले कि आप किसी धोखाधड़ी में फंसकर वित्तीय नुकसान उठाएं।